RNI No. 58061/93 • वर्ष - 21 • अंक - 265 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 25-04-2026 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राघव चड्ढा, अशोक मित्तल समेत आप के सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ी

6 पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया खेला?

फर्स्ट टेक

इसरो ने उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि उपयोग मानचित्रण पूरा किया

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि उसने विकेंद्रीकृत योजना को बढ़ावा देने के लिए पंचायती राज मंत्रालय के साथ सहयोग करते हुए पूरे देश के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि उपयोग और भूमि आवरण का मानचित्रण पूरा कर लिया है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर अंतरिक्ष एजेंसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि 1:10,000 पैमाने पर उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि उपयोग और भूमि आवरण मानचित्रण तैयार किया गया है और इसे सरकारी संगठनों को उपलब्ध कराया गया है। इसरो ने पोस्ट में कहा, यह आंकड़े ग्राम पंचायत विकास योजनाओं को समर्थन देता है और पंचायती राज मंत्रालय के 'ग्राम मानचित्र' वेब पोर्टल पर एक सूचना परत के रूप में एकीकृत किया गया है, जिससे जमीनी स्तर पर डेटा-आधारित और मजबूत शासन को बढ़ावा मिलता है।

जनगणना 2027: आरजीआई ने टोल-फ्री हेल्पलाइन 1855 शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) ने देश की जनगणना 2027 के पहले चरण: आवास सूचीकरण और आवास गणना (एचएलओ) से संबंधित प्रश्नों या मार्गदर्शन के लिए एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन, 1855 की शुरुआत की है। जनगणना आयुक्त ने जनता के लिए एक व्हाट्सएप चैटबॉट की भी शुरुआत की। आरजीआई ने हाल में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए एक पत्र में कहा कि 'हेल्पलाइन' की बहुभाषी सुविधा जनगणना कर्मियों, पर्यवेक्षकों और आम जनता की जरूरतों और प्रश्नों का समाधान करेगी।

अदालत ने शरण देने संबंधी ट्रंप के प्रतिबंध को अवैध बताया

वाशिंगटन/एपी। एक अपीलीय अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत शरण देने की सुविधा को निलंबित कर दिया गया था। यह आदेश रिपब्लिकन राष्ट्रपति की अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर प्रवासन पर नकेल कसने की योजना का एक प्रमुख स्तंभ था। कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट सर्किट के लिए 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने पाया कि आव्रजन कानून लोगों को सीमा पर शरण के लिए आवेदन करने का अधिकार देते हैं और राष्ट्रपति इसका उल्लंघन नहीं कर सकते।

25-04-2026 सूर्यास्त 6:33 बजे	26-04-2026 सूर्योदय 6:01 बजे
BSE 76,664.21 (-999.79)	NSE 23,897.95 (-275.10)
सोना 15,861 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 255,097 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बहुत चिंताजनक

हो रहे सियासत में पक्के,
शिक्षण के सारे संस्थान।
हैं छात्र सभी भ्रम के शिकार,
गुरु घंटालों में फँसा ज्ञान।
बन रहे दलों के सब मोहरे,
अपने-अपने जिनके निशान।
पीढ़ी यदि भटक गई तो फिर,
कैसे होगा भारत महान।।

भारत का विश्वगुरु बनना तय, देश के भविष्य पर संदेह न करें : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और देश के भविष्य के बारे में किसी को भी कोई संदेह नहीं रखना चाहिए। भागवत ने कहा, पहले लोगों को संदेह था कि राम मंदिर कभी बनेगा भी या नहीं, लेकिन उसका निर्माण हुआ। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना भी तय है।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर शहर के बाहरी इलाके जामथा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के परिसर में 'भारत दुर्गा शक्ति स्थल' के भूमि पूजन के बाद यह बात कही।

भागवत ने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत के भविष्य को लेकर किसी भी तरह का संदेह मन से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जिएं तथा इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत बनेगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा।

भागवत ने राम मंदिर आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा, लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बना। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना तय है। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कोई चीज होगी या नहीं होगी। जो होना तय है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा, यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम कार्य करते रहें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा।

भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए लोगों को पहले भारत में गहराई से झांकना होगा। उन्होंने कहा, भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा। भागवत ने कहा कि देश को उसके सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए, न कि 150 वर्षों में विकसित औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टिकोण से।

बिहार विधानसभा में सम्राट चौधरी सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी नीत सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। राज्य विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान सम्राट ने यह प्रस्ताव पेश किया कि ''सदन राज्य की वर्तमान मंत्रिपरिषद में अपना विश्वास व्यक्त करे।'' राज्य के 243 सदस्यीय सदन में यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया, जहां भाजपा नीत राजग को 202 सीट के साथ भारी बहुमत प्राप्त है।

विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा पेश करते हुए कहा, ''राजग सरकार हमेशा किसानों, गरीबों और सुशासन के लिए काम करती रही है।'' उन्होंने कहा कि बिहार में सुशासन स्थापित करने का कार्य नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण देना ऐतिहासिक निर्णय था और राज्य में शराबबंदी लागू करने का फैसला भी पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लिया था।''

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष ने राज्यसभा में नया नोटिस दिया

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के संदर्भ में शुक्रवार को राज्यसभा को नया नोटिस सौंपा और उन पर सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता सहित कई आरोप लगाए। संसद के उच्च सदन के 73 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी को दिया गया है। विपक्ष ने इससे पहले संसद के दोनों सदनों में कुमार के खिलाफ नोटिस दिया था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राज्यसभा के 73 विपक्षी सदस्यों ने सदन के महासचिव को भारत के राष्ट्रपति को संबोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए एक नया नोटिस सौंपा है, जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का आग्रह किया गया है।''

'जन नायक' लीक मामला: नियमों के उल्लंघन के आरोप में फिल्म संपादक निलंबित

चेन्नई/भाषा। दक्षिण भारत फिल्म संपादक एसोसिएशन (एसआईएफईए) ने शुक्रवार को घोषणा की कि फिल्म संपादक प्रदीप ई. राघव को संघ के उपनियमों के उल्लंघन और शीर्ष अभिनेता विजय अभिनीत फिल्म 'जन नायक' के अवैध ऑनलाइन लीक को रोकने में विफल रहने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसोसिएशन ने कहा कि यह निर्णय 17 अप्रैल को आयोजित एक आपातकालीन कार्यकारी समिति की बैठक के बाद लिया गया।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से उम्मीदें बढ़ रही हैं : शुभांशु शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि लोग अब इसरो की उपलब्धियों से आश्चर्यचकित नहीं होते और अंतरिक्ष एजेंसी के अभियानों का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले, जब देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रारंभिक अवस्था में था, तब लोगों को चंद्रयान और मंगलयान जैसे अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिए जाने की उम्मीद नहीं थी।

शुक्ला ने कहा, ''अब आश्चर्य का तत्व खत्म हो गया है। लोग अब हमसे अपेक्षाएं रखने लगे हैं। वे कह रहे हैं कि हम आपके साथ उड़ान भरना चाहेंगे और गगनयान में आपके साथ जाना चाहेंगे।''

उन्होंने ये टिप्पणियां भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) द्वारा आयोजित भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी (आईडीएस) 2026 के अंतिम दिन अपने संबोधन के दौरान कीं। शुक्ला जुलाई 2025 में 'एक्सिओम मिशन 4' के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय बन गए थे।

शुक्ला ने इस बात पर भी जोर दिया कि रक्षा क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की अभूतपूर्व उपलब्धियों को अपनाने की आवश्यकता है।

देश भर के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर

दिसंबर से बाधा-मुक्त टोल प्रणाली लागू होगी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर दिसंबर तक बिना रुकावट के टोल वसूली की नई व्यवस्था लागू की जाएगी।

गडकरी ने 'लॉजिस्टिक्स शक्ति समिट एंड अवॉर्ड्स 2026' के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाकर परिवहन लागत घटाना जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि इस नई प्रणाली के तहत वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। यह व्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित होगी, जिसमें वाहन नंबर पहचानने वाली प्रणाली और फास्टैग जैसी इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था शामिल होगी।

इस प्रणाली में तेज गति वाले कैमरे और सेंसर के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी और उसी आधार पर टोल शुल्क अपने आप वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों को डिजिटल रूप से नोटिस भेजा जाएगा।

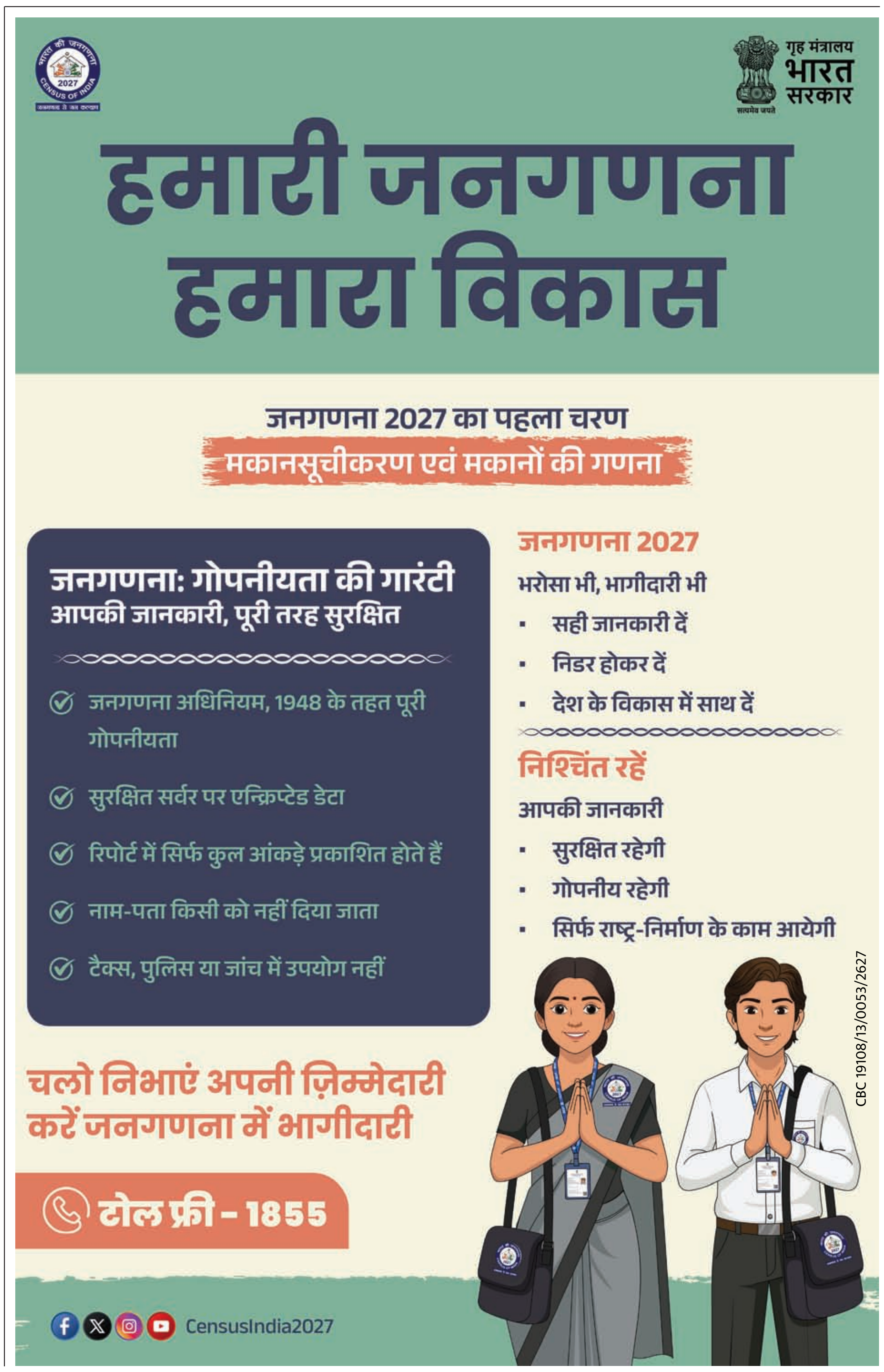

'जीतो' बिज़नेस नेटवर्क स्वयम् वी प्रेन्योर्स की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) बिज़नेस नेटवर्क स्वयम वी प्रेन्योर्स की बैठक चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में नई लीडरशिप टीम ने आगामी छह महीनों के लिए अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की, जिसमें 108 सदस्यों तक विस्तार करना, 1 करोड़ के व्यवसाय का लक्ष्य हासिल करना तथा नियमित रूप से सीखने, नेटवर्किंग और 1-टू-1 मीटिंग्स को बढ़ावा देना प्रमुख रहा। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि यह एक नई सोच की शुरूआत है, जहाँ महिलाएँ अपनी पहचान को आगे बढ़ाएँ। बैठक के दौरान 22 सदस्यों की उपस्थिति थी, जिसमें 7 रेफरल्स का आदान-प्रदान हुआ, 2 विजिटर्स ने भाग लिया और 2 टेस्टिमोनियल्स साझा किए गए। ङ्कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्याओं वेलकम किट वितरित किए गए। अंत में सभी सदस्याओं के उत्साह, सहयोग और प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया गया और भविष्य में भी इसी तरह मजबूत व्यवसायिक संबंधों के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया गया। इस आयोजन में रेफरल हेड मीतू जैन, रेफरल लीड तृप्ति जैन और रेफरल सचिव मिलोनी शाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला उद्यमियों के लिए 'स्वयं-वी कनेक्ट' की नई शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) स्वयं-वी कनेक्ट, महिला बिज़नेस रेफरल ग्रुप की एक बैठक राजाजीनगर कार्यालय में सम्पन्न हुई। लेडीज विंग नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना के मार्गदर्शन में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर समूह द्वारा कुछ नए और इनोवेटिव प्रयास भी प्रस्तुत किए गए। बैठक में डिस्पले लाउंज कॉन्सेप्ट का अतिरिक्त लाभ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में एडइलेव8 के डायरेक्टर क्लाइंट पार्टनरशिप्स वरुण विनोद कुमार चोबारी द्वारा वीडियो एडिटिंग एवं कंटेंट क्रिएशन पर व्यावहारिक जानकारी की कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने वीएन एप्लीकेशन और कैनवा के उपयोग का लाइव प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया मैनेजर जयंत कुमार भी उपस्थित थे। बैठक में शैक्षिक सत्र के अंतर्गत पूर्वी जसानी द्वारा रेफरल्स के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। डोर प्राइज़ के रूप में सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड पिच हेतु पूनम सुराणा, सर्वाधिक बिज़नेस देने वाली के रूप में चेरिका जैन तथा रेफरल चैंपियन के रूप में लक्षिता कटारिया को सम्मानित किया गया। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने सभी को शुभकामनाएं दी।

चरित्र प्रधानता ही समाज में सर्वोपरि हो : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुकनूर। शुक्रवार को वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के नूतन स्थानक भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि समग्र जैनाचार चरित्रप्रधान है। यहां साधु-संतों का ही नहीं, श्रावक-श्राविकाओं का जीवन भी चरित्रवान होना चाहिए। इसके लिए विपुल मात्रा में साहित्य रचना हुई है। चरित्रहीनता और जैनाचार, दोनों सर्वथा भिन्न मार्ग हैं। वे कभी साथ नहीं चल सकते, इसलिए वर्तमान में यदि साधुओं या श्रावकों में कहीं आचारगत शिथिलता दिखाई देती हैं तो वह समाज की उदासीनता है, स्वीकृति नहीं। प्राचीन साहित्य में ऐसे हजारों उल्लेख मिलते हैं कि चरित्रहीन बड़ा व्यक्ति भी त्याज्य है और चरित्रवान सामान्य व्यक्ति भी पूजनीय। व्यवहारिक जगत में यही मापदंड स्थापित हुए हैं कि जीवन के हर क्षेत्र में चरित्र की शुद्धता परिलक्षित होनी चाहिए। चरित्रहीन की धर्मसाधना और उसका दान, पाखंड से अधिक कुछ भी नहीं है। चरित्रशुद्धता की इन पारंपरिक बातों ने ही वर्तमान जैन समाज को आधुनिक काल में भी अपेक्षाकृत शांत, संस्कारी, अहिंसक, अपराधमुक्त और सुरक्षित रखा है।ङ्कङ्कजैनाचार्य ने कहा कि आधुनिक जगत में वैभव की अत्यधिक बोलबाला है। आज धन के प्रदर्शन में चरित्र के दर्शन गौण बन गये हैं। यही कारण है कि नई पीढ़ी में सत्ता, शक्ति, संपत्ति और बुद्धि के प्रति अत्यधिक आकर्षण है, जबकि सदाचार के प्रति विशेष रुचि नहीं। अब अच्छे घरों की कन्याएं शराब, ड्रग्स और व्याभिचार के मार्ग पर प्रवृत्त हैं। विवाह पूर्व और विवाहेतर संबंधों को घृणा की नजरों से नहीं देखा जा रहा। चरित्रहीन लोग भी समाज व राजनीति में बड़े बड़े पदों पर काबिज हो रहे। गलत साधुओं और श्रावकों को कहने वाला कोई नहीं बचा। चरित्रहीनता के सभी उपक्रम सहज स्वीकृत हो रहे। इस प्रकार एक दानवीय दुःखदायी संसार की निर्मिति हो रही है ।धीरे धीरे मर्यादाओं का टूटना सारी सामाजिक व्यवस्थाओं को छिन्नभिन्न कर देगा। धर्मसभा में स्थानीय जैन-अजैन श्रद्धालुओं के अतिरिक्त गदग, कोप्पल, हिरियूर, पुणे, बेंगलूरु, हुब्बल्ली, बल्लारी आदि अनेक क्षेत्रों के लोग उपस्थित थे।

सांयकाल को विभिन्न प्रोफेशनल क्षेत्रों में कार्यरत युवक-युवतियों के साथ परिसंवाद हुआ। जैनाचार्य ने कहा कि नौकरी और धन से अधिक जीवन के नैतिक मूल्यों को सुरक्षित रखकर ही हम सुखी बन सकते हैं। इससे पूर्व प्रातः नगर आगमन पर सैकड़ों भक्तों ने आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के साथ सभी श्रमणों का भावभीना स्वागत किया। कई किलोमीटर तक लोगों ने संतों के साथ पदयात्रा की। दिनभर यहां दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। पहली बार जैनाचार्य कुकनूर आए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME
I, PARTHA SARATHI. M.R. Son of M.Muni Narayana, residing at No. 457, 10th G Main, 6th Block, Near Albek, Rajajinagar, Bangalore - 560010, I declare that in my Indian army service record my father name has been mentioned as **MUNINARAYAN** instead of **M.MUNINARAYANA.** I declare that this has to be corrected in my service Record, vide affidavit dated 24/4/2026 sworn to before Vani G K Advocate and Notary Bangalore.

CHANGE OF NAME
I, PARTHA SARATHI. M.R. Son of M.Muni Narayana, residing at No. 457, 10th G Main, 6th Block, Near Albek, Rajajinagar, Bangalore - 560010, I declare that in my Indian army Service record my mother name has been mentioned as **C.RENJKA** instead of **RENUKA.C.R.** I declare that this has to be corrected in my service Record, vide affidavit dated 24/4/2026 sworn to before Vani G K Advocate and Notary Bangalore.

उत्साहपूर्ण वातावरण में साध्वीश्री पावनप्रभा ने किया बेंगलूरु नगर में प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री पावनप्रभाजी का शुक्रवार को बेंगलूरु सीमा में मंगल प्रवेश एवं स्वागत समारोह का आयोजन मैसूरु केंगेरी रोड स्थित पंचमुखी गणेश मन्दिर में हुआ। साध्वीश्री ने प्रातः तुलसी महाप्रज्ञ चेतना सेवा केंद्र कुंबलगुड़ से विहार किया तो साथ में तेरापन्थ सभा, राजराजेश्वरीनगर, विजयनगर, हनुमंतनगर एवं राजाजीनगर, यशवंतपुर के तेरापंथ युवक परिषद के सदस्य शामिल हुए। नगरसीमा में मंगल प्रवेश के साथ ही साध्वीश्री ने मंगल पाठ सुनाया। अपने स्वागत समारोह में साध्वीश्री पावन प्रभाजी ने कहा कि आज प्रसन्नता है कि गुरुदेव के निर्देशानुसार हम बेंगलूरु पहुंच गए। हम बेंगलूरु में धर्म की पूंजी को बढ़ाने एवं अपनी पूंजी सुरक्षित रखने के लिए आए हैं। धर्म की पूंजी आपकी जेब में होगी तो आपका घर, परिवार सुख समृद्धि और शांति से सरोबार होगा। साध्वी वृंद ने सामूहिक गीतिका की प्रस्तुति दी।ङ्क तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया। सीमा प्रवेश कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु संयोजक रतन दक को साधुवाद दिया गया।

बेंगलूरु में 'रुद्रलाइफ़' की भव्य रुद्राक्ष प्रदर्शनी शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रुद्राक्ष के क्षेत्र में विशेषज्ञ संस्था रुद्रलाइफ़ द्वारा बेंगलूरु में एक विशेष प्रदर्शनी-सह-बिक्री का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 23 से 27 अप्रैल तक चलेगा। नेपाल से लाए गए असली रुद्राक्ष, जो आईएसओ प्रमाणित लैब द्वारा जाँचे गए हैं। छात्रों के लिए 'सरस्वती बंध', स्वास्थ्य के लिए 'स्वास्थ्य बंध' और सफल व्यक्तियों के लिए 'सिद्ध माला' जैसे कई पावर कॉम्बिनेशन उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी में 1 से 21 मुखी रुद्राक्षों वाली अत्यंत दुर्लभ 'इंद्र माला' भी आकर्षण का केंद्र है। प्रदर्शनी में विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श उपलब्ध है। अलसूर लेक के पास लेमन ट्री प्रीमियर होटल में सुबह 10 से 8 बजे रात्रि तक प्रदर्शनी देखी जा सकती है।

दिग्गज तेंदुलकर ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन

मुंबई/भाषा। भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार को अपना 53वां जन्मदिन अपने घर पर परिवार और विभिन्न आयु वर्ग के प्रशंसकों की मौजूदगी में मनाया। इस मौके पर उनकी पत्नी अंजलि भी उनके साथ मौजूद रहीं।

'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर ने अपने आवास पर पहुंचे प्रशंसकों की तालियों और उत्साह के बीच केक काटा। उन्होंने इस दौरान अपनी तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनी एक छोटी बच्ची को देखकर उसे गोद में भी उठा लिया, जिससे माहौल और भावुक हो गया।

तेंदुलकर ने इससे पहले दिन की शुरुआत में सोशल मीडिया पर अपनी मां, पत्नी अंजलि और अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, मेरी सुबह की परफेक्ट शुरुआत आई (मां), अंजलि और इस शरारती के साथ हुई। इससे बेहतर क्या हो सकता है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेंदुलकर के जन्मदिन के मौके पर आयोजित 'लीजेंड्स क्लब' कार्यक्रम के दौरान उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'पीटीआई' से कहा, मैं अपने भाई सचिन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। उन्हें ढेर सारा प्यार और सम्मान मिले। उन्होंने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि वह स्वस्थ रहें। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह हमें प्रेरित करते रहें। मैं उनके लिए ढेर सारी खुशियां और प्यार की कामना करता हूं।

पत्नी और मां की हत्या के बाद व्यक्ति ने बच्चों संग ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

तिरुपति। तिरुपति जिले में एक व्यक्ति ने पत्नी और मां की कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में अपने दो बच्चों संग ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान वेंकटकृष्णपलेम गांव के निवासी मोहन (37), उनकी पत्नी हरिता (35), मां चंद्रकला (65) और दो नाबालिग बच्चों के रूप में हुई है। पुत्तूर के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जी. रवि कुमार ने पीटीआई-भाषा' को बताया, मोहन ने 22 अप्रैल को तिरुपति जिले में पहले पत्नी और मां की हत्या की तथा बाद में अपने बच्चों संग चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। उन्होंने कहा, ''अभी तक कोई स्पष्ट मकसद सामने नहीं आया है, इसलिए हम हर पहलू की जांच कर रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि मोहन किसी मानसिक समस्या से तो नहीं जूझ रहा था।'' प्रारंभिक जांच के अनुसार, मोहन ने अपने घर में साड़ी से पत्नी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या की और बाद में इसी तरह अपनी मां को भी मार डाला।

'मोतीलाल मुणोत कप' हेतु खिलाड़ियों की नीलामी संपन्न

14 मई से आयोजित होगी तीन दिवसीय प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांठा समाज की खेल प्रतिभाओं को एक सूत्र में पिरोने एवं खेल कौशल को निखारने वाले आयोजन 'मोतीलाल मुणोत कप केपीपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता' के आगामी सीजन हेतु खिलाड़ियों की नीलामी शांतिनगर स्थित होटल में संपन्न हुई। कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता की नीलामी प्रक्रिया में ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए मोतीलाल मुणोत कप को खेल प्रतिभा के प्रदर्शन के साथ युवाओं के सामाजिक रिश्तों को मजबूती देने वाला अवसर बताया। महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने संचालन करते हुए कहा कि अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत बनी इस प्रतियोगिता के माध्यम से कुछ खिलाड़ी आज राष्ट्रीय स्तर पर अन्य संघ-संगठनों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाई है। संघ के महामंत्री हंसराज मुणोत ने प्रेरक कविताओं से खिलाड़ियों में जोश भरा। नथमल गांधी, अशोककुमार गुगलिया ने अपने विचार व्यक्त किए। केपीपीएल संयोजक विजय गुगलिया के अनुसार सुरेंद्र गुंदेचा की अरिहंत एवेंजर्स, मोहनलाल सिंघवी की एचएमपी सिंघवी, सूरजमल कांतिलाल की कांठा टाइगर्स, झुपीबाई बाबूलाल कोठारी की रॉयल कोठरीस, सज्जनबाई जयंत सेहलोत की सेहलोत स्ट्राइकर्स एवं नथमल महावीर गांधी की वर्धमान ड्रीम्स इलेवन टीमों के बीच राउंड रोबिन मुकाबलों से विजेता का निर्धारण होगा। सह संयोजक अमित कोठारी ने बताया कि त्रिदिवसीय प्रतियोगिता 14 मई से रेलवे ग्राउंड में आयोजित होगी। सह संयोजक किरण गुगलिया, रमेश गुगलिया, विनोद गुगलिया, भरत गांधी एवं राहुल कटारिया ने विभिन्न प्रायोजकों जानकारी दी तथा सभी को धन्यवाद दिया। खिलाड़ी नीलामी कार्यक्रम में प्रतियोगिता ट्रॉफी एवं टीम जर्सी का अनावरण किया गया।

'संगठनात्मक मजबूती के साथ समाजोपयोगी कार्य पर जीतो अपेक्स ने दिया जोर'

'जीतो' नार्थ में जीतो अपेक्स के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) नॉर्थ चैप्टर के राजाजीनगर स्थित कार्यालय में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जीतो अपेक्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय भंडारी, महासचिव ललित डांगी, सचिव श्रीपाल बच्छावत एवं निदेशक प्रवीण शाह की उपस्थिति थी। इस अवसर पर केकेजी जोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना, सचिव दिलीप जैन, नॉर्थ चैप्टर की कार्यकारिणी समिति, महिला एवं यूथ विंग के सदस्यों ने सहभागिता दर्ज की। ङ्कनार्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए तीन वर्षों में हुए ऐतिहासिक आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि चैप्टर भविष्य में भी बड़े लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए संकल्पित है।

जीतो अपेक्स के महामंत्री ललित डांगी ने कहा कि संगठन को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखते हुए समाज के उत्थान हेतु योजनाबद्ध सामाजिक कार्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय भंडारी ने जीतो नॉर्थ चैप्टर की सराहना करते हुए इसे एक यूनिवर्सिटी की संज्ञा दी, जहां से लीडर तैयार होते हैं। उन्होंने विमल कटारिया के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए अल्प समय में आठ हजार वर्गफीट का कार्यालय तैयार करना एक बड़ी उपलब्धि बताया। साथ ही महिला विंग द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। महिला विंग की मधु कटारिया द्वारा निःशुल्क कार्यक्रमों को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम में न्यूनतम शुल्क होना आवश्यक है, जिससे उसकी उपयोगिता और मूल्य बना रहता है। कार्यक्रम का संचालन दिनेश बाफना ने किया। अंत में अशोक भंडारी ने सभी को धन्यवाद दिया ।

बीजेएस मैसूरु ने 'कैरियर कंपास' विषयक कार्यशाला आयोजित

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठन(बीजेएस), मैसूरु चैप्टर के तत्वावधान में शुक्रवार को कैरियर कंपास कार्यशाला का आयोजन किया गया। लेडीज़ विंग चेयरपर्सन शर्मिला धोका ने सभी अथितियों का परिचय दिया। कार्यशाला में सीईओ एन रविशंकर ने बताया कि कैरियर निर्माण एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है, जो आत्म जागरूकता, योजना और निरंतर सीखने पर आधारित है। एक सफल कैरियर न केवल वित्तीय स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि व्यक्तिगत संतुष्टि और समाज में योगदान का अवसर भी देता है। कैरियर की शुरुआत अपनी रुचियों, कौशल, प्रतिभा और व्यक्तित्व को समझने से होती है। नेटवर्किंग में अपने क्षेत्र के पेशेवरों से जुड़ते हुए परामर्शदाताओं की मदद लेनी चाहिए। मॉनिटरिंग जैसी साइटों का उपयोग करें। यह आपको नए अवसरों के बारे में जानकारी दे सकता है। कार्यशाला में 9वीं व 12 वीं के 40 विधार्थियों भाग लिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। योजना निदेशक कौशिक जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन का कर्नाटक में होगा विस्तार, बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की राज्य शाखा कर्नाटक की बैठक बनरघट्टा रोड स्थित एक स्कूल में आयोजित हुई जिसमें दक्षिण भारत में भी संस्था के विस्तार पर चर्चा हुई व संकल्प लिया। बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित संघ के राष्ट्रीय महासचिव रामायण पाण्डेय ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के हक के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों की बन्द की गई रेल किराया छूट को फिर से बहाल कराने, साठ से सत्तर साल उम्र वाले बुजुर्गों को भी आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने,पुलिस थानों में सीनियर सिटीजन सेल का गठन कराकर उसका नियमित बैठक कराने, पुरानी पेंशन योजना लागू कराने, सीनियर सिटीजन एक्ट का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए हम सभी आवश्यक प्रयास कर रहे हैं।कर्नाटका संयोजक प्रदीप कुमार ने कहा कि हमें मध्यम एव निम्न वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों पर विशेष ध्यान देना होगा। वही राष्ट्रीय सलाहकार गोपाल चौरसिया ने बेंगलूरु सिटी में बैठक आयोजित कर संगठन को मजबूत करने की बात कही। प्रदीप कुमार को संघ की कर्नाटक इकाई का अध्यक्ष मनोनीत कर कार्यकारिणी समिति का गठन करने केलिए अधिकृत किया गया। इस मौक़े पर प्रेमशंकर ओझा, गीता मिश्रा, एस जींनत हसन खान, आरएस प्रसाद, एएस स्वामी, राज कुमार तार, एसएन शर्मा, एच.सोलंकी, मुख़्तार खान, नीरजकुमार पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्मृति शेष

बेंगलूरु के करुनाडु सिम्हा सैना द्वारा प्रसिद्ध अभिनेता डॉ राजकुमार के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को यशवंतपुर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने दिवंगत अभिनेता राजकुमार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके कर्नाटक सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। सैना के अध्यक्ष मुनिराज एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

बेंगलूरु में सीईटी के दौरान परीक्षार्थियों को जनेऊ उतारने को मजबूर करने को लेकर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कृपानिधि कॉलेज में आयोजित सीईटी परीक्षा के दौरान पांच ब्राह्मण छात्रों को अपना जनेऊ उतारने के लिए मजबूर किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। इस घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्ताधारी कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और इसे हिंदू विरोधी करार दिया। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करने के वास्ते साझा प्रवेश परीक्षा (सीईटी) आयोजित की जाती है। छात्रों ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मडिवाला स्थित कॉलेज के परीक्षा कक्ष में मौजूद निरीक्षकों ने उनसे कहा कि यदि वे परीक्षा देना चाहते हैं, तो जनेऊ उतारें। पिछले साल इसी तरह का विवाद होने पर सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि सीईटी परीक्षा के दौरान जनेऊ उतारने को नहीं कहा जाएगा। हालांकि, उसके बावजूद इस साल भी छात्रों को इसी तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ा। एक छात्र ने कहा, जब मैं परीक्षा केंद्र गया, तो शिक्षकों ने मेरी बाली उतरवा दी। मैं यह समझ सकता हूं, क्योंकि वहां धातु की कोई वस्तु पहनने की अनुमति नहीं है, लेकिन उन्होंने मुझे शरीर से जनेऊ भी उतारने के लिए मजबूर किया। कोई और विकल्प न होने के कारण, छात्र ने निरीक्षकों के आदेश का पालन किया।

सूत्रों के अनुसार, परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रों के माता-पिता परीक्षा स्थल पर पहुंचे और उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया कि जब जनेऊ न हटाने के संबंध में स्पष्ट निर्देश थे, तो फिर इसके पीछे क्या उद्देश्य था। कुछ अन्य छात्रों ने आरोप लगाया कि कलाई पर बंधा लाल और पीला कलावा भी पर्यवेक्षकों ने हटवा दिया था।

जब शिवमोग्गा, बीदर और कुछ अन्य स्थानों पर इसी तरह का विवाद सामने आया, तो राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि पिछले साल मुख्यमंत्री ने भी अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे छात्रों से जनेऊ हटाने के लिए न कहें। फिर भी, बृहस्पतिवार को वही घटना दोहराई गई।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के हिंदू विरोधी कृत्य, जैसे 'मंगलसूत्र' और 'जनिवार' (जनेऊ) को जबरन हटवाना, बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले साल, सीईटी और नीट परीक्षाओं के दौरान, कांग्रेस सरकार ने जनेऊ काट दिया था और केपीएससी परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवारों को मंगलसूत्र उतारने के लिए मजबूर किया था। इस साल भी, सरकार ने वही पुरानी प्रथा जारी रखी है।

अशोक ने आरोप लगाया, कांग्रेस सरकार के हिंदू विरोधी कुकृत्य, जैसे लोगों को मंगलसूत्र और जनिवार हटाने के लिए मजबूर करना, जारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस शासन के तहत, एक तरफ हिंदुओं को कोई सुरक्षा नहीं मिल रही है, और दूसरी तरफ वह हिंदू मान्यताओं और रीति-रिवाजों पर इस तरह हमला करके घटिया राजनीति में लिप्त है। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा के प्रवेश पत्र या किसी अन्य दिशानिर्देश में कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया था कि 'जनिवार' नहीं पहना जाना चाहिए, और उन्होंने जानना चाहा कि सरकार इसे हटाने के लिए क्यों मजबूर कर रही है और इस अन्याय और ज्यादती के लिए कौन जिम्मेदार है। अशोक ने आरोप लगाया, राज्य में कांग्रेस, जिसे आधुनिक मुस्लिम लीग सरकार भी कहा जाता है, ने अनौपचारिक रूप से शरिया कानून लागू कर दिया है। एक तरफ सरकार ने रमजान के महीने में उर्दू माध्यम के स्कूलों का समय बदल दिया है, वहीं दूसरी तरफ परीक्षा जांच के नाम पर मंगलसूत्र उतारने और जनिवार काटने की अनुमति दे रही है। उन्होंने कांग्रेस को 'हिंदू विरोधी' बताया।

शिवकुमार ने राजनाथ सिंह से कहा

हवाई अड्डा प्रतिबंधों के चलते बेंगलूरु का विकास हो रहा है बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बेंगलूरु में रक्षा हवाई अड्डों के आसपास की इमारतों की ऊंचाई पर लगे प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, शिवकुमार ने नयी दिल्ली में सिंह से मुलाकात की, जहां उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की।

बयान में कहा गया है, शिवकुमार ने बेंगलूरु के कई हिस्सों में विकास पर इन प्रतिबंधों के प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने रक्षा मंत्री से अपील की कि ''वह एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं जिससे बेंगलूरु का विकास भी हो एवं विमानन सुरक्षा भी सुनिश्चित हो ।''

सिंह को सौंपे अपने पत्र में, शिवकुमार ने प्रचलित नियमों के अनुसार बेंगलूरु में (रक्षा) हवाई अड्डों के 20 किलोमीटर के दायरे में निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करते समय इन हवाई अड्डों के रक्षा प्रशासन द्वारा लगाए गए ''अत्यधिक प्रतिबंधों'' का विषय प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा, बेंगलूरु दुनिया के सबसे तेजी से विकसित हो रहे शहरों में से एक है। एचएएल हवाई अड्डा शहर के मुख्य क्षेत्र में स्थित है, जहां विकास की अपार मांग है। अतिरिक्त प्रतिबंध हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्रों में विकास में बाधा डाल रहे हैं।

शिवकुमार ने सिंह से इस मुद्दे पर गौर करने और संबंधित अधिकारियों को उड़ान सुरक्षा और शहर के विकास की जरूरतों दोनों के हित में इसे हल करने के लिए 'आवश्यक कार्रवाई करने' का निर्देश देने का अनुरोध किया।

मैं दिल्ली सिर्फ ताजी हवा के लिए नहीं आया था, बल्कि शीर्ष नेताओं से भी मिला : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी में जारी असंतोष के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राजधानी में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने बैठकों का विवरण साझा करने से इनकार कर दिया और कहा कि वे इसका खुलासा नहीं करेंगे। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, मैंने पार्टी नेताओं से मुलाकात की है। मैं अपना काम जारी रखूंगा, लेकिन मैं यह खुलासा नहीं करूंगा कि मैं किन लोगों से मिला हूं। मैं दिल्ली सिर्फ यहां की हवा का आनंद लेने नहीं आया हूं। रात नई दिल्ली में बोलते हुए, शिवकुमार से जब पूछा गया कि क्या वह पार्टी नेताओं को चुनाव रिपोर्ट सौंपेंगे, तो उन्होंने कहा, मैंने चुनाव प्रचार के लिए तमिलनाडु, केरल और असम का दौरा किया। मुझे इन राज्यों में हुए घटनाक्रमों के बारे में अपने नेताओं को जानकारी देनी होगी। पार्टी ने मुझे वहां चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी थी। कर्नाटक में चुनाव कराना केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री के रूप में मेरा कर्तव्य है, और मैं इसे पूरा करूंगा।

राज्य में संभावित बदलावों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, जिम्मेदारी भरे पद पर रहते हुए क्या मैं मीडिया के सामने ऐसे मामलों पर चर्चा कर सकता हूं? मैं इस बारे में बात नहीं करूंगा। कृपया मुझसे ऐसी जानकारी निकालने की कोशिश न करें। मुस्लिम समुदाय में असंतोष को लेकर विधायकों और मंत्रियों द्वारा मुख्यमंत्री से मुलाकात की खबरों पर उन्होंने कहा, हमें पार्टी स्तर पर कुछ जानकारी मिली है। हम सभी को मिलकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री के करीबी मंत्रियों की बैठक की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझे नहीं पता कि कौन किसके करीब है। मुझे ऐसी बैठकों से कोई लेना-देना नहीं है। जब उनसे वरिष्ठ विधायकों द्वारा मंत्रिमंडल में फेरबदल के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से दिल्ली की एक और यात्रा की योजना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, आइए इंतजार करें और देखें। विभिन्न राज्यों में हुए चुनावों पर उन्होंने कहा, तमिलनाडु, केरल और असम में विधानसभा चुनाव और कर्नाटक में उपचुनाव संपन्न हो चुके हैं। हमने बुधवार को असम चुनावों पर एक जूम मीटिंग भी की थी। मैं फिर से असम का दौरा करूंगा। हम तमिलनाडु और केरल में गठबंधन सरकार बनाएंगे।

हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं ने असम में बहुत मेहनत की है और हमारे गठबंधन को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। दिल्ली दौरे पर उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार के साथ हैदराबाद गया था और वहां से दिल्ली आया हूं। मैं सिर्फ ताजी हवा के लिए दिल्ली नहीं आया हूं। मुझे केंद्रीय मंत्रियों से बेंगलूरु से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करनी है।

श्रद्धालु ने तिरुपति मंदिर को 95 लाख रुपये मूल्य के सोने के पदक दान किए

तिरुपति। बेंगलूरु के एक श्रद्धालु ने शुक्रवार को तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को 95 लाख रुपये मूल्य के सात स्वर्ण पदक दान किए। तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि एम महादेवाम्मा ने 753 ग्राम वजन के पदक दान किए।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने एससी के लिए आंतरिक आरक्षण को मंजूरी दी; भर्ती जल्द शुरू होगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक मंत्रिमंडल की एक विशेष बैठक में कुल आरक्षण की 15 प्रतिशत की समग्र सीमा के भीतर अनुसूचित जाति (एससी) के आंतरिक कोटा पर निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि 'वलंगई' और 'इलंगई' समुदायों के लिए 5.25 प्रतिशत और खानाबदोश समुदायों सहित अन्य अनुसूचित जातियों के लिए 4.55 प्रतिशत आरक्षण का निर्णय लिया गया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मूल रूप से अनुसूचित जातियों के लिए 17 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों के लिए 7 प्रतिशत आरक्षण देने का इरादा किया था। हालांकि, अदालत के आदेश के कारण, इसे अनुसूचित जातियों के लिए 15 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों के लिए 3 प्रतिशत तक कम कर दिया गया।

सिद्दरामय्या ने घोषणा की कि इस निर्णय के बाद सरकारी रिक्तियों को भरने में आ रही प्रमुख बाधा दूर हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, कल से, अधिसूचना जारी होने के साथ ही भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

सिद्दरामय्या ने कहा कि बैठक के दौरान दलित मंत्रियों के बीच कोई मतभेद नहीं था और यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। संवाददाता सम्मेलन में, मुख्यमंत्री के साथ उनके दलित कैबिनेट सहकर्मी भी थे।

उद्घाटन

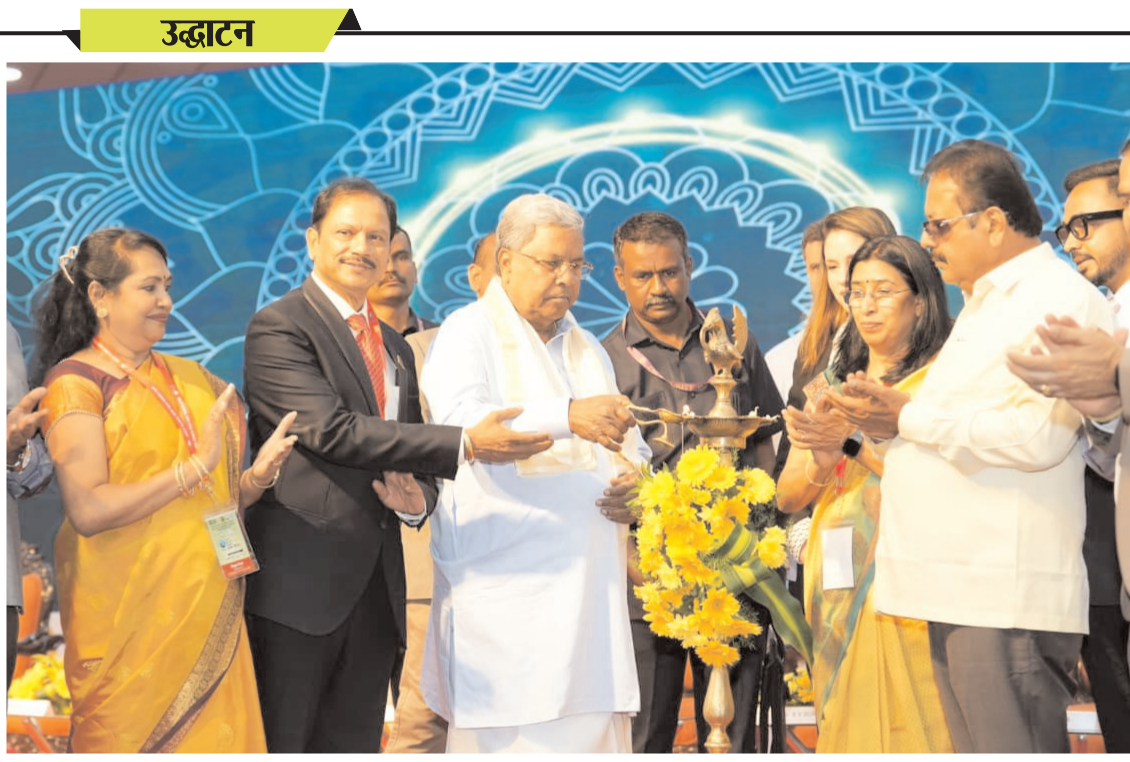

फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलूरु में आयोजित 'ग्लोबल एग्री टेक समिट - 2026' का उद्घाटन किया और किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए और ज़्यादा टेक्नोलॉजी में तरक्की और इनोवेशन की उम्मीद जताई। कृषि मंत्री एन. चालुवरया स्वामी, फिक्की की प्रेसिडेंट श्रीमती उमा रेड्डी और दूसरे अधिकारी मौजूद थे।

फॉक्सकॉन कंपनी के शौचालय में भ्रूण मिला, प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी फॉक्सकॉन के देवनहल्ली स्थित कार्यालय में महिलाओं के शौचालय में भ्रूण मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। 'फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा प्राइवेट लिमिटेड' ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। पुलिस के अनुसार, भ्रूण मंगलवार रात को विश्वनाथपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोड्डागोल्लाहल्ली गांव में फॉक्सकॉन के भवन ए41 में मिला था। कंपनी के एक कर्मचारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 93 और 103 के तहत मामला दर्ज किया। कंपनी के सुरक्षा विभाग में वरिष्ठ अभियंता वी एस कृष्णराज ने शिकायत दर्ज कराई।शिकायत के अनुसार 21 अप्रैल को रात करीब 9.15 बजे, सफाई कर्मचारी ने पाया कि महिला शौचालय जाम है और इसकी सूचना सुपरवाइजर को दी, जिसने फिर एक तकनीशियन को बुलाया। चूंकि तकनीशियन की पाली समाप्त हो चुकी थी, इसलिए अगली सुबह इस समस्या को दूर करने का निर्णय लिया गया। शिकायत में कहा गया है कि 22 अप्रैल को सुबह लगभग नौ बजे निरीक्षण किया गया।

इसके अनुसार, शौचालय की जांच करने पर पता चला कि जाम की वजह वास्तव में एक भ्रूण था। तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने बताया कि भ्रूण को लावारिस छोड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए जांच जारी है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: ECN-TRD-04-2026
दिनांक: 18.04.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
श्रवणूर पर 2x25 केवी ओएचई के लिए स्ट्रक्चर / फाउंडेशन के साथ साथ प्रस्तावित नई क्रासिंग स्टेशन का निर्माण के लिए विद्युतीकरण।	रु. 2,56,82,475.13

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.05.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
उप मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन विनियोग-II (निर्माण)/बेंगलूरु छावनी
PUB/52/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मां ने मोबाइल छीना तो बेटे ने की खुदकुशी, पुलिस की सभी माता पिता को दी सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। उत्तरी कर्नाटक में हुब्बल्ली शहर के उदय नगर इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 14 साल के एक लड़के ने अपनी मां द्वारा मोबाइल फोन देने से इनकार करने पर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार, लड़के को मोबाइल फोन की लत लग गई थी। वह पिछले कई दिनों से लगातार एक ऑनलाइन गेम खेल रहा था। गुरुवार रात को उसकी मां ने उसके ज्यादा मोबाइल इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई और उसे डांटा। मां ने कहा कि अब फोन पर ध्यान बंद करो और पढ़ाई पर ध्यान दो। इसके बाद उन्होंने उसका मोबाइल छीन लिया। इस बात से आहत होकर लड़का अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। जब लगभग 20 मिनट तक वह नहीं निकला, तो उसके पिता ने खिड़की से झांककर देखा। उन्हें लड़का अपनी मां की साड़ी से फंदा बनाकर लटका हुआ मिला।

माता-पिता ने तुरंत दरवाजा तोड़कर लड़के को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले पर हुब्बल्ली-धारवाड़ पुलिस कमिश्नर एन. शशिधर ने कहा, मां ने मोबाइल की लत पर आपत्ति जताई और फोन ले लिया। इसके तुरंत बाद लड़के ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और कुछ देर बाद साड़ी का इस्तेमाल करके फांसी लगा ली।

पुलिस कमिश्नर ने माता-पिता को चेतावनी देते हुए कहा कि जिन बच्चों को मोबाइल फोन की लत लग चुकी हो, उनसे अचानक फोन छीनने से बचना चाहिए। केशवापुरा पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, यह एक बहुत दुखद घटना है। मोबाइल इस्तेमाल करने से मना करने पर बच्चों द्वारा इतना बड़ा कदम उठाना बेहद चिंता का विषय है। साथ ही माता-पिता की भी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने कहा, बच्चे रातोंरात मोबाइल फोन और गेमिंग के आदी नहीं हो जाते। हमने देखा है कि कई माता-पिता बच्चों को चुप कराने के लिए उनके हाथ में मोबाइल फोन थमा देते हैं। कई बार खाना खिलाते समय या पढ़ाई करने के लिए कहते समय वे उन्हें एक घंटे या उससे ज्यादा समय तक मोबाइल इस्तेमाल करने की इजाजत दे देते हैं।

उन्होंने आगे कहा, बच्चे भी अक्सर माता-पिता पर भावनात्मक दबाव डालते हैं। इसके नतीजे को समझे बिना माता-पिता अचानक बच्चों से फोन छीन लेते हैं। अगर बच्चे की लत बहुत ज्यादा हो गई हो, तो अचानक फोन छीनने की बजाय मनोवैज्ञानिक या डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। मोबाइल का इस्तेमाल धीरे-धीरे कम करना ज्यादा बेहतर होता है। उन्होंने कहा, मैं सभी माता-पिता से अपील करता हूं कि मोबाइल फोन की लत बहुत नुकसानदायक है। ऐसे बहुत कम उदाहरण मिलते हैं, जहां किसी व्यक्ति ने मोबाइल का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करके जीवन में बड़ी सफलता हासिल की हो।

उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन का सही तरीके से इस्तेमाल भी किया जा सकता है। यूट्यूब और ऑनलाइन कोर्स के जरिए अंग्रेजी, व्याकरण और दूसरे कौशल सीखे जा सकते हैं। 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 625 में से 625 अंक लाने वाले कई छात्रों ने बताया है कि उन्होंने मोबाइल जैसी भटकाने वाली चीजों से खुद को दूर रखा था। उन्होंने यह भी जोर दिया कि माता-पिता और छात्र, दोनों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों की सही परवरिश के लिए माता-पिता को जागरूक और सतर्क रहना जरूरी है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
चतुर्थ तल, बंगला साहिब रोड, काली मंदिर के पीछे
गोल मार्केट, नई दिल्ली-110001
आधार

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में निदेशक (प्रौद्योगिकी) के पदों को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु रिक्ति परिपत्र।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में निदेशक (प्रौद्योगिकी) के दो पदों को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

निर्धारित प्रपत्र में आवेदन निदेशक (मा. सं.), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), चतुर्थ तल, बंगला साहिब रोड, काली मंदिर के पीछे, गोल मार्केट, नई दिल्ली- 110 001 को भेजे जा सकते हैं। सभी तरह से पूर्ण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 13.05.2026 है। चूंकि ये रिक्तियाँ प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरी जानी है, अतः गैर- सरकारी अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त हुए या अपूर्ण पाए गए आवेदन पर विचार जाएगा। विस्तृत विवरण प्राधिकरण https://uidai.gov.in/images/VC_31_2026.pdf पर उपलब्ध हैं।

निदेशक (मा.सं.)

आधार नामांकन और अपडेट सेवा अब आधार सेवा केंद्रों पर भी उपलब्ध है। नज़दीकी केंद्रों की जानकारी के लिए uidai.gov.in पर जाएं या 1947 पर कॉल करें।
CBC 54103/11/0005/2627

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वर्णिम भारत के लिए सब मिलकर प्रयास करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि स्वर्णिम भारत के लिए सबको मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने अच्छी मनःस्थिति के साथ देश और समाज के समग्र विकास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उपाधियों की सार्थकता यही है कि हम राष्ट्र को सर्वोच्च रखते हुए अपने सभी कार्य करें।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का नया आरम्भ है। प्राचीनकाल में गुरुकुल में गुरु शिष्य को आदर्श आचरण के लिए प्रेरित करने हेतु अंतिम शिक्षा देते थे, इसे समावर्तन संस्कार कहते थे। यही आज का दीक्षांत समारोह है। उन्होंने मैकाले द्वारा देश पर लादी गई अंग्रेजी शिक्षा पद्धति की चर्चा करते हुए कहा कि इसने हमें अपने इतिहास से विलग कर दिया। नई शिक्षा नीति 2020 भारत के महान गौरव से हमें जोड़ने वाली है।

राज्यपाल बागड़े शुक्रवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा समस्त अभ्यर्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटलाइज करने के प्रयासों के अंतर्गत पोर्टल पर डिग्रियों को अपलोड करने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार के डिजिटल अभियान की सराहना की। बागड़े ने देश की नई शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारतीयता के गौरव से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व को शून्य का ज्ञान दिया। शून्य के ज्ञान से ही विश्व को गिनती आई। उन्होंने खगोल विज्ञान में भारत की देन की चर्चा करते हुए कहा कि भास्कराचार्य ने 1150 में बताया था कि पृथ्वी गोल है। गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत को उन्होंने ही प्रतिपादित किया, जिसे बाद में न्यूटन का बताया गया। उन्होंने कहा कि बप्पा रावल ने सातवीं शताब्दी में अरबों को खदेड़ा था। उन्हीं के नाम से पाकिस्तान का रावलपिंडी शहर बसा हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि आजादी से पहले देश में आठ लाख गुरुकुल थे। अंग्रेजों ने इन्हें नष्ट करने का काम किया। वह नहीं चाहते थे कि भारतीय दृष्टिकोण की शिक्षा विकसित हो, इसलिए देश में गुलाम मानसिकता देने वाली शिक्षा पद्धति विकसित की। अंग्रेजों ने देश के घरेलू उद्योग बंद कर दिए ताकि देश के नागरिकों को भूखा मरने दिया जाए ताकि वे हमेशा के लिए गुलाम बने रहे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में इसलिए कौशल विकास पर जोर दिया गया है कि हम अपने साधनों से आत्मनिर्भर भारत का विकास कर सकें।

इससे पहले उन्होंने युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश से नशे का व्यापार किया जाता है। पड़ोसी राष्ट्र नहीं चाहता भारत युवा देश बना रहे। नशा व्यक्ति को उम्र से पहले बूढ़ा बना देता है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को एम्स की तर्ज पर देश का सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश को मेडिकल टूरिज्म के रूप में भी विकसित करने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। उन्होंने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए हो रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। देश के सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ. विकास महात्मे ने दीक्षांत व्याख्यान दिया। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के साथ जीवन से जुड़ी व्यावहारिकता के अंतर्गत कौशल विकास को महत्वपूर्ण बताया। कुलगुरु प्रो. प्रमोद येवले ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों और शैक्षिक उन्नयन के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

गहलोत ने स्थानीय निकाय चुनाव में देरी के लिए सरकार की आलोचना की

जयपुर /दक्षिण भारत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के अवसर पर नागरिकों को बधाई दी। साथ ही, स्थानीय निकाय चुनाव कराने में हो रही देरी को लेकर राजस्थान सरकार की कड़ी आलोचना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने लिखा, राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। राजस्थान के ऐतिहासिक नेतृत्व को याद करते हुए गहलोत ने कहा, एक वक्त था जब राजस्थान पंचायतीराज व्यवस्था के माध्यम से पूरे देश के लिए मिसाल बना था। नागौर से पंडित नेहरू द्वारा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की ऐतिहासिक नींव रखी गई थी लेकिन वर्तमान में भाजपा ने पंचायतीराज चुनाव न करवाकर लोकतंत्र की इस महत्वपूर्ण कड़ी को कमजोर किया गया है।

उन्होंने कहा कि एक प्रकार से ग्रामीणों का विकास में भागीदारी का अधिकार इस सरकार ने छीन लिया है। यह कदम महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने के भी विपरीत है और लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक है।गहलोत ने कहा कि पंचायत एवं निकाय चुनावों की मांग को लेकर राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन आज सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन, स्वराज संवाद, हस्ताक्षर अभियान तथा पदयात्राएं निकाल रहा है।जनभागीदारी की अपील करते हुए, गहलोत ने नागरिकों से इस आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया।उन्होंने कहा, हम सभी से अपील करते हैं कि वे आगे आएं और लोकतंत्र को मजबूत करें। यह सामूहिक आवाज, लोकतंत्र-विरोधी भाजपा सरकार को इन महत्वपूर्ण चुनावों को कराने के लिए विवश कर देगी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, समस्त प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर हम अपनी पंचायतों को अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर और डिजिटल बनाने का संकल्प लें, ताकि ग्रामीण भारत के विकास से स्वर्णिम राष्ट्र का निर्माण हो सके।

महिला एवं बाल विकास विभाग की शासन सचिव ने हेल्पलाइन केंद्र पर परखी जनसुनवाई की गुणवत्ता

जयपुर/दक्षिण भारत। शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पंचायती राज (महिला एवं बाल विकास) विभाग, श्रीमती पूनम ने शुक्रवार को सूचना केंद्र स्थित राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की। शासन सचिव ने निरीक्षण के दौरान न केवल डैशबोर्ड के आंकड़ों का विश्लेषण किया, बल्कि विभिन्न जिलों से प्राप्त शिकायतों का गहन अध्ययन कर उनके तत्काल समाधान के निर्देश भी दिए। श्रीमती पूनम ने अधिकारियों को शिकायत निस्तारण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने इस दौरान सब्जेक्ट रिवीजन, लेवल मैपिंग एवं कैटेगरी निर्धारण की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया।

साथ ही यह भी निर्देशित किया कि निर्धारित प्रकरणों में काउंसलिंग के उपरांत आवश्यकतानुसार लीगल एक्शन हेतु संबंधित विभाग को स्वतः एस्केलेशन किया जाए, ताकि मामलों का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि घरेलू हिंसा के प्रत्येक परिवाद में संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ व्यवहार किया जाए।

महिला आरक्षण रोकने वालों को सबक सिखाएगी नारी शक्ति : सुमन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा जिला कार्यालय पर शुक्रवार को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा ने विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने ओछी राजनीति के चलते करोड़ों महिलाओं के अधिकारों और अरमानों पर पानी फेर दिया है, जिसका जवाब आने वाले समय में देश की माताएं-बहनें देंगी। सुमन शर्मा ने कहा कि कांग्रेस, सपा और टीएमसी जैसी पार्टियां परिवारवाद के जाल में फंसी हैं। उन्हें डर था कि अगर साधारण परिवारों की महिलाएं सत्ता में आईं, तो उनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। उन्होंने प्रियंका गांधी और डिंपल यादव जैसी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि इनकी सोच केवल अपने परिवार तक सीमित है।

सुमन शर्मा ने कहा, विधेयक रुकने के बाद विपक्ष का जश्न मनाना शर्मनाक था, जो उनके महिला विरोधी चेहरे को उजागर करता है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व देना चाहते हैं, लेकिन इंडी गठबंधन ने ओबीसी, परिसीमन और दक्षिण भारत के नाम पर केवल भ्रम फैलाने का काम किया है। अब भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता घर-घर जाकर महिलाओं को विपक्ष की इस असलियत से रूबरू कराएंगी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री मूर्ति मीणा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को केवल 'साइलेंट वोटर' समझा है। उन्होंने पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बदलकर मुस्लिम बहनों के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाई थी।

भीषण गर्मी का दौर जारी, अनेक जगह लू की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में गंगानगर में अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर ने शुक्रवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में कुछ जगहों पर ऊष्ण लहर और ऊष्ण रात्रि दर्ज़ होने के साथ ही मौसम शुष्क रहा। राज्य के अधिकतर भागों में इस समय अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री है जो इस मौसम के औसत तापमान के आसपास है।

इसके अनुसार, राज्य के कुछ भागों में आगामी दिनों में अधिकतम तापमान में और 1-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने तथा आगामी 2-3 दिन पश्चिमी व उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं लू (हीटवेव) चलने की संभावना है।

इस दौरान राज्य के उत्तर पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इसी तरह आगामी दिनों में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 25 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों तथा तथा 26 से 28 अप्रैल को पश्चिमी व उत्तरी भागों में दोपहर बाद बादलों की गरज के साथ धूलभरी आंधी चल सकती है। साथ ही हल्की बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की संभावना भी है।

अनुशासन और मुस्तैदी से बनती है पुलिस की पहचान : डीजीपी शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस की असली पहचान अनुशासन और मुस्तैदी से ही बनती है। वह यहां पांचवीं बटालियन आरएसी परिसर में अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया और बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए अनुशासन और तैयारी के महत्व पर विशेष बल दिया। शर्मा ने कहा कि पुलिस की पहचान उसके अनुशासन और चुस्ती-फुर्ती से होती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी चाहे किसी निवास की सुरक्षा की हो, जेल की हो या कानून-व्यवस्था की, जवानों की तैयारी में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जवानों को सीख दी, वर्दी पहनने के ढंग से लेकर मौके पर पहुंचते ही चुस्ती के साथ कतारबद्ध होने तक, हर हरकत में पेशेवर दक्षता नजर आनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि कानून-व्यवस्था की ड्यूटी के दौरान उपकरणों के सही इस्तेमाल पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

महानिदेशक ने आह्वान किया कि जहां भी सीखने में कमी रह गई है, उसे निरंतर अभ्यास और समर्पण से पूरा करें ताकि राजस्थान पुलिस हर मोर्चे पर बेहतर से बेहतर प्रदर्शन कर सके। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। कुल 49 कार्मिकों को 'डीजीपी डिस्क' और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

विधानसभा परिसर में बम होने की सूचना अफवाह निकली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस ने विधानसभा परिसर की गहन तलाशी ली लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब राजस्थान विधानसभा परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस के अनुसार विधानसभा के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए धमकी भरे ईमेल में दोपहर के समय आत्मघाती हमले की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में दावा किया गया था कि विस्फोटक बेल्ट पहने दो हमलावर यह धमाका करेंगे।

ज्योति नगर की थाना प्रभारी संतरा मीणा ने बताया कि पुलिस की टीम, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते के साथ मौके पर पहुंची और विधानसभा परिसर की व्यापक तलाशी ली।

अधिकारी ने कहा, तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। हालांकि एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि 13 अप्रैल को भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था जो बाद में अफवाह निकला।

पुलिस ने बताया कि हाल के हफ्तों में जयपुर में विभिन्न स्थानों के लिए ऐसे कई धमकी भरे ईमेल मिले हैं। इनमें अदालतें, सवाई मानसिंह स्टेडियम, मुख्यमंत्री कार्यालय, पासपोर्ट कार्यालय, डाकघर, और कुछ निजी स्कूल व अस्पताल जैसी जगह शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि अधिकारी ईमेल के स्रोत की जांच कर रहे हैं और समूचे जयपुर में संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

ऑनलाइन गेमिंग के अलावा कोई बुरी आदत नहीं थी : राहुल मीणा के परिजन का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक आईआरएस अधिकारी की बेटी से दुष्कर्म व हत्या के आरोपी राहुल मीणा के परिवार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग के अलावा राहुल को कोई बुरी आदत नहीं थी। पुलिस के अनुसार, राजस्थान के अलवर जिले के निवासी मीणा पर 21 अप्रैल की रात अलवर में एक विवाहिता से दुष्कर्म करने और उसके कुछ घंटों बाद दिल्ली में आईआरएस अधिकारी की बेटी से दुष्कर्म व हत्या करने का आरोप है।

अलवर में पत्रकारों से बातचीत में मीणा की मां ने कहा कि उनके 23 वर्षीय बेटे का व्यवहार अच्छा रहा है और 21 अप्रैल की रात उनकी अपने बेटे से आखिरी बार बात हुई थी, जिसके बाद वह एक शादी में शामिल होने के लिए घर से निकला था। उन्होंने कहा, उस रात मेरी उससे बात हुई थी, लेकिन उसके बाद हमारा उससे कोई संपर्क नहीं हो सका। अगले दिन पुलिस आई और हमें घटना की जानकारी दी।

दुष्कर्म के आरोपों को खारिज करते हुए परिवार ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग के अलावा उसकी कोई बुरी आदत नहीं थी। मीणा के एक अन्य रिश्तेदार ने कहा कि राहुल पढ़ाई में बहुत अच्छा था और स्नातक में उसने अच्छे अंक हासिल किए थे। अलवर के राजगढ़ में एक विवाहिता से दुष्कर्म के आरोपों को नकारते हुए मीणा की बहन ने इसे पूरी तरह निराधार बताया। उसने दावा किया कि ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ा एक आर्थिक विवाद इस आरोप का कारण हो सकता है और यही विवाद दिल्ली में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी के आवास पर उसके जाने की वजह भी रहा होगा।

उसने आरोप लगाया कि मीणा और राजगढ़ की कथित दुष्कर्म पीड़िता के पति को ऑनलाइन गेम में क्रमशः पांच लाख रुपये और 90,000 रुपये का नुकसान हुआ था, जिससे उन पर कर्ज बढ़ता गया और रकम चुकाने का दबाव बढ़ गया। मीणा की बहन ने कहा, वह रुपये लेने गया होगा क्योंकि उस पर दबाव बनाया जा रहा था।

उसने यह भी बताया कि मीणा ने 20,000 रुपये के लिए अपना मोबाइल फोन तक गिरवी रख दिया था। आरोपी की बहन ने कहा कि अगर राहुल मीणा ने कुछ गलत किया है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। इस बीच, ग्रामीणों का कहना है कि मीणा स्वभाव से शांत व्यक्ति था और उसने 2023 में प्रथम श्रेणी से स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी, लेकिन इसके बाद उसे ऑनलाइन जुए की लत लग गई।

घनिष्ठ शर्मा : एक उभरता हुआ बाल चित्रकार

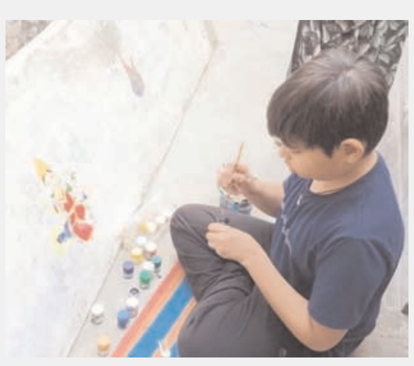

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीमाधोपुर। कस्बे के नांगलका जोशी मोहल्ले के गोपाल जोशी का पुत्र घनिष्ठ शर्मा अपनी तुलिका से भगवान श्रीराम के विभिन्न रूपों में चित्र बना रहा है। एक बच्चा जो भगवान के चित्र बना रहा है, वह अपनी रुचि और भक्ति दिखा रहा है।भगवान के चित्र बनाना, बच्चों को उनकी रचनात्मकता, कल्पना और ईश्वर के प्रति विश्वास को विकसित करने में मदद करता है। यह उन्हें धार्मिक कहानियों से जुड़ने और अपनी धार्मिक भावनाओं को व्यक्त करने का एक तरीका भी प्रदान करता है। कोरोना संकट के समय जब स्कूल बंद थी उस समय घनिष्ठ शर्मा में यह अभिरुचि पैदा हुई। अब तक 155 से ऊपर चित्र बना चुके बालक घनिष्ठ शर्मा स्थानीय महात्मा गांधी स्कूल कक्षा 8 में अध्ययनरत हैं।

घनिष्ठ ने भगवान श्रीराम मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम से प्रेरित होकर भगवान श्रीराम व सीता के चित्र बनाए। वे दुर्गा नवमी पर दुर्गा माता के चित्र बनाते हैं तो गुरु नानक जयंती पर नानक देव का चित्र बनाते हैं। घनिष्ठ शर्मा को उपखंड व शेखावाटी स्तर पर भी सम्मानित किया जा चुका है। इस बाल चित्रकार के चित्रण के विषय उनके अपने अनुभव, उनकी रचनात्मकता और उनके आसपास की दुनिया से प्रेरित होते हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान घनिष्ठ शर्मा ने भी मतदान करने को लेकर चित्र बनाकर आम जनता को मतदान करने के लिए प्रेरित किया था। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले घनिष्ठ पिछले पांच वर्षों से प्राकृतिक दृश्य, पर्यावरण के समक्ष चुनौतियां के साथ दुर्गा के नव अवतार लक्ष्मी, सरस्वती के चित्र बनाकर लोगों को पर्यावरण, अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। घनिष्ठ राजस्थान की किशनगढ़ की प्रसिद्ध बणी ठणी शैली, मधुबनी कला के साथ साथ कार्डबोर्ड और कपड़े पर भी चित्रकारी करते हैं। वे चित्र में ब्राइटनेस (चमक), कॉन्ट्रास्ट (विपरीतता) और कलर बैलेंस (रंग संतुलन) को सुधारकर चित्र को जीवंत बनाते हैं। इससे कलाकृति का भाव, मूड और दृश्य प्रभाव और भी गहरा हो जाता है। यह चित्र की स्पष्टता और भावनात्मक प्रभाव को बढ़ाता है, सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि घनिष्ठ शर्मा की यह कृति नकल नहीं, अनुभव की अभिव्यक्ति है। यहाँ अनुपात, यथार्थ या सौंदर्य की पारंपरिक कसौटी गौण हो जाती है। प्रमुख हो उठती है भावनात्मक सच्चाई और लगन। यह पेंटिंग दर्शक को यह याद दिलाती है कि कला का मूल स्रोत मन की स्वतंत्रता है। बाल कलाकार उसी स्वतंत्रता का सबसे शुद्ध वाहक होता है।

लोक पर्व बिहू

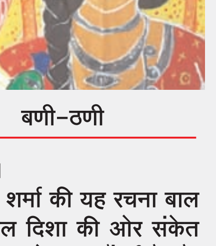

बणी-ठणी

कुल मिलाकर, घनिष्ठ शर्मा की यह रचना बाल कला की उस संभावनाशील दिशा की ओर संकेत करती है, जहाँ कल्पना ही सबसे बड़ा सौंदर्य है और संवेदना ही सबसे सशक्त भाषा, जिससे दर्शक को चित्र का भाव और जानकारी बेहतर समझ में आती है। यह पेंटिंग दर्शक को यह याद दिलाती है कि कला का मूल स्रोत मन की स्वतंत्रता है, और बाल कलाकार उसी स्वतंत्रता का सबसे शुद्ध वाहक होता है। बाल सुलभ चित्रों आनन्द लें, अपने बाल कलाकारों को खुला आसमान दें ताकि वे भी कल्पना की उड़ान देवें।

* विनय त्रिवेदी

प. बंगाल में 'परिवर्तन की लहर' पहले चरण के मतदान में स्पष्ट दिखी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में ''परिवर्तन की लहर'' स्पष्ट रूप से दिखाई दी और यह तृणमूल कांग्रेस के महा जंगलराज के अंत का संकेत है।

उत्तर 24 परगना जिले के दमदम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत पानीहाटी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारी मतदान का मतलब भाजपा का समर्थन बढ़ना और तृणमूल की तानाशाही को नकारा जाना है। पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में 3.60 करोड़ मतदाताओं में से करीब 92 प्रतिशत ने मतदान किया। मोदी ने कहा, ''बंगाल में लंबे समय से जो बदलाव की लहर दिखाई दे रही थी, कल के पहले चरण के मतदान ने उस पर मुहर लगा दी है। कल भाजपा के पक्ष में मिले समर्थन ने उसकी जीत का शंखनाद कर दिया है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, '' बंगाल में जहां तृणमूल ने तानाशाही से लोकतंत्र के मंदिर को ध्वस्त कर दिया था, वहां के लोगों ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू कर दिया है। अब दूसरे चरण में आपको इस मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है।'' उन्होंने दावा किया कि पहले चरण

के मतदान के बाद तृणमूल ''बेहद घबराई हुई'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने रातों-रात अपने गुंडों को सक्रिय कर दिया था ताकि मतदाताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं को डराया-धमकाया जा सके। मोदी ने कहा, कल के पहले चरण के मतदान ने टीएमसी के 'जंगल राज' के शासन का अंत सुनिश्चित कर दिया है। चार मई को, जब नतीजे घोषित होंगे, तब टीएमसी गुंडों के लिए छिपने की कोई जगह नहीं होगी। कोई भी उन्हें बचा नहीं पाएगा। बंगाल कह रहा है 'पल्टानो दोरकार, चाय भाजपा सरकार' (बदलाव की जरूरत है, भाजपा की सरकार चाहिए)। मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल को नई क्रांति की जरूरत है, जो इस बार वोट के जरिए आएगी। उन्होंने कहा, यह क्रांति की भूमि है, यह वीरों की भूमि है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने राष्ट्र से गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का आह्वान किया था। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। अब बंगाल में एक नई क्रांति का समय है। यह क्रांति आपके एक वोट से आएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल को भय से आज़ादी, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट राज, महिलाओं पर अत्याचार, बेरोज़गारी, मजबूरी में पलायन और घुसपैठियों के कब्जे से मुक्त कराने का वादा करती है। उन्होंने कहा, बंगाल का गौरव फिर से बहाल करने के लिए, बंगाल को फिर से अवसरों की भूमि बनाने के लिए यह आज़ादी बेहद जरूरी है।

झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन ने पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत नौ करोड़ रुपए वितरित किए

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को रांची में पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत नौ करोड़ रुपए से अधिक की राशि वितरित की। अधिकारियों ने बताया कि टाना भगत स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पंचायत स्तर के प्रतिनिधियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार राशि वितरित की गई।

सोरेन ने कहा, ''आपको इस योजना के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों को पूरा करने के लिए पुरस्कृत किया गया है। यह हमारी सरकार की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है कि जो लोग अच्छा प्रदर्शन करते हैं, उन्हें निश्चित रूप से पुरस्कृत किया जाना चाहिए। जिलों और पंचायतों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को भी पुरस्कृत किया गया है।'' सोरेन ने यह भी कहा कि एक समय ऐसा था जब न तो सरकार की आवाज और न ही उसकी योजनाओं का लाभ दूरदराज के इलाकों तक पहुंचता था, लेकिन वह दौर अब समाप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि राज्य का विकास तभी होगा जब हमारे गांव मजबूत होंगे।'' उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी व्यक्ति बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित न रह जाए।

भाजपा सरकार 'अलोकतांत्रिक और अमानवीय': अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)सरकार ''अलोकतांत्रिक और अमानवीय'' है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े कई मामलों में न्याय दिलाने में विफल रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि गाजीपुर, हाथरस और हरदोई जैसे जिलों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन पीड़ितों के परिवारों से मिलने जा रहे सपा के प्रतिनिधिमंडलों को निशाना बना रहा है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रहा है। यादव ने कहा कि हाशिए पर पड़े समुदायों को न्याय दिलाने और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा करने की 'बड़ी जिम्मेदारी' सपा और उसके कार्यकर्ताओं पर है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार, चरम पर है। राजधानी लखनऊ में भाजपा भूमाफिया बनकर काम कर रही हैं, कोई भी योजना आने के पहले भाजपा से जुड़े लोग पहले ही जमीनें अधिग्रहित कर लेते हैं। लखनऊ के सभी तालाबों पर कब्जा हो गया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। उत्तर प्रदेश में गुंडे और माफिया खुलेआम घूम रहे हैं।'' उन्होंने सवाल किया कि इनके खिलाफ कब कार्रवाई होगी। यादव ने भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उसे ''अलोकतांत्रिक और अमानवीय'' तथा ''जन-विरोधी'' करार दिया। उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि लखनऊ में 'ग्रीन कॉरिडोर' पर लगभग 7,000 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद, यातायात जाम की समस्या बनी हुई है।

शिक्षकों के साथ विश्वास और सहयोग से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभवः विजय कुमार चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल निर्देशों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के साथ विश्वास और सहयोग के माध्यम से ही दी जा सकती है। शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी भी संभाल रहे चौधरी ने विद्यालयों के नियमित निरीक्षण को अनिवार्य बताया और कक्षा-कक्ष में शिक्षण कार्य के दौरान ही शिक्षकों के मूल्यांकन पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर शैक्षणिक सुधार को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

पटना के अधिवेशन भवन में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में चौधरी ने स्थानांतरण-पदस्थापन प्रणाली को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में अच्छी पढ़ाई तभी होगी, जब शिक्षक मन से पढ़ाएं और इसके लिए अनुकूल वातावरण होना जरूरी है।

शिक्षा विभाग द्वारा जारी बयान के अनुसार उप मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता को शिक्षा सुधार की आधारशिला बताते हुए प्रशिक्षण मॉड्यूल के प्रभावी आकलन और उसके परिणामों के नियमित मूल्यांकन की आवश्यकता को रेखांकित किया। साथ ही गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के माध्यम से संचालित कार्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा तथा उनके प्रभाव का आकलन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राघव चड्ढ़ा, अशोक मित्तल समेत आप के सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ी, भाजपा में शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को तब बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल सहित इसके सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा ने पाठक और मित्तल के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों में से दो-तिहाई ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक गुट के रूप में भाजपा में शामिल होंगे।

चड्ढा ने कहा कि पार्टी सांसद हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल भी आप छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आप, जिसे मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल नैतिक मूल्यों से पूरी तरह भटक गई है।'' हाल ही में चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा, ''राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं। इनमें से दो-तिहाई से अधिक सांसद इस पहल में हमारे साथ हैं।''

चड्ढा ने कहा, ''उन्होंने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, और आज सुबह हमने राज्यसभा के सभापति को हस्ताक्षरित पत्रों एवं अन्य औपचारिक दस्तावेज सहित सभी आवश्यक कागजात सौंप दिए हैं।''

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी अब देश के लिए नहीं, बल्कि अपने ही फायदे के लिए काम कर रही है।

मोदी बंगाल के पर्यटन के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' हैं : अभिषेक बनर्जी

हावड़ा/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान राज्य के गंगा घाटों, सड़कों और 'स्ट्रीट फूड' का प्रदर्शन करके वह अनजाने में पश्चिम बंगाल पर्यटन के ''सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर'' बन गए हैं। हावड़ा जिले के जगतबल्लभपुर और दोमजुर विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मोदी की सार्वजनिक उपस्थिति ने राज्य पर्यटन को बढ़ावा देने में आधिकारिक पर्यटन अभियानों से कहीं अधिक योगदान दिया है, जिसमें झाड़ग्राम में फुटपाथ पर झालमुड़ी खाना और गंगा के किनारे टहलना शामिल है।

धर्मेंद्र प्रधान ने मतदान प्रतिशत को लेकर डेरेक ओ'ब्रायन पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार कम मतदान होने के दावे को लेकर शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह 'चुनिंदा गणित' है।

प्रधान ने 'एक्स' पर ओ'ब्रायन के बयान का जवाब देते हुए कहा, 'आपका चुनिंदा गणित गणना केवल उसी बात को पुष्ट करता है जिसे आप नकारने की कोशिश कर रहे हैं।'' प्रधान ने कहा कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि दोहराव एवं संदिग्ध नामों को हटाने के बाद 'अधिक स्वच्छ और विश्वसनीय' मतदाता सूची को दर्शाती है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''जब अवैध घुसपैठियों, दोहराव वाली प्रविष्टियों और संदिग्ध नामों को मतदाता सूचियों से हटा दिया जाता है, तो (मतदान) प्रतिशत स्वाभाविक रूप से एक स्वच्छ मतदाता आधार को दर्शाता है।'' इससे पहले दिन में, ओ'ब्रायन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले चरण में उच्च मतदान के बारे में 'फर्जी विमर्श' गढ़ने का आरोप लगाया था और कहा था कि 2026 में डाले गए कुल वोट वास्तव में 2021 की तुलना में कम थे।

शाह द्वारा शुक्रवार को कोलकाता में प्रेस वार्ता किए जाने के बाद, ओ'ब्रायन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बृहस्पतिवार को पहले चरण में जिन 152 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ, वहां 2021 में मतदाताओं की कुल संख्या 3.67 करोड़ थी, जबकि कुल डाले गए वोट 3.10 करोड़ थे, यानि लगभग 84 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दावे का खंडन करते हुए प्रधान ने कहा कि उच्च भागीदारी इस बात का संकेत है कि लोग ''डर और राजनीतिक धमकियों के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी'' को चुन रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वास्तव में महत्वपूर्ण बात यह है कि इस सुधार के बाद भी तीन करोड़ से अधिक नागरिकों ने मतदान किया है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि पश्चिम बंगाल के लोग डर और राजनीतिक धमकियों के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी को चुन रहे हैं।'' प्रधान ने कहा, '' यह देखना राजनीतिक रूप से शर्मसार करने वाला है कि पश्चिम बंगाल में वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों के बजाय आप हटाये गए नामों का अधिक दृढ़ता से बचाव कर रहे हैं। असली सवाल यह है कि पारदर्शी मतदाता सूची से तृणमूल कांग्रेस इतनी व्यथित क्यों दिख रही है?''

प्रयोगशाला से खेत तक प्रौद्योगिकी पहुंचने से उत्तर प्रदेश की कृषि वृद्धि 18% पर : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की कृषि वृद्धि दर लगभग आठ प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है, जिसका श्रेय वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच बेहतर समन्वय और प्रयोगशाला से खेत तक प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण को जाता है। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''सरकार की 'लैब टू लैंड' पहल के तहत विकसित तकनीकों और शोध को प्रभावी तरीके से खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे उत्पादकता में सुधार हुआ है।''

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उद्यान मंत्री दिनेश सिंह और नौ राज्यों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब 2017 में उनकी सरकार बनी थी, तब कई कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) निष्क्रिय स्थिति में थे, लेकिन अब वे नवाचार और किसानों तक प्रौद्योगिकी पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से राज्य के नौ कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुरूप क्षेत्र विशेष की खेती को बढ़ावा दिया गया है। वैज्ञानिकों और किसानों के बीच नियमित संवाद, खेतों में प्रदर्शन और निरंतर मार्गदर्शन से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में धान की पैदावार 50-60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 100 क्विंटल तक पहुंच गई है। बेहतर सिंचाई, बिजली आपूर्ति और संपर्क सुविधाओं के कारण कई जिलों में किसान साल में एक या दो फसल के बजाय तीन फसलें उगा रहे हैं, जिससे आय में वृद्धि हुई है। गेहूं का उत्पादन लगभग 425 लाख टन, चावल का 211 लाख टन और आलू का 245 लाख टन तक पहुंच गया है। तिलहन उत्पादन करीब 48 लाख टन है, जबकि सब्जियों, दलहन और मोटे अनाज की उपज में भी वृद्धि दर्ज की गई है। योगी ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे मिट्टी की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत पर भी बल दिया।

बीज, कीटनाशक से जुड़े कानून लगभग तैयार, संसद के अगले सत्र में पेश होने की संभावना : चौहान

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि बीज और कीटनाशक से जुड़े नए कानून लगभग तैयार हैं और उन्हें संसद के अगले सत्र में पारित कराने के लिए पेश किया जा सकता है। चौहान ने यहां आयोजित उत्तरी राज्यों के क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तावित 'बीज अधिनियम' और 'कीटनाशक अधिनियम' का मसौदा सुझावों के लिए पहले ही साझा किया जा चुका है। इन कानूनों का उद्देश्य नकली और घटिया कृषि उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा, यदि कोई व्यक्ति नकली या खराब गुणवत्ता के बीज या कीटनाशक बेचता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौजूदा दंड बहुत कम और अप्रभावी हैं। उन्होंने बताया कि राज्यों के सहयोग से ऐसी कुप्रथाओं के खिलाफ देशव्यापी अभियान भी चलाया जाएगा। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और अन्य राज्यों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने रबी और खरीफ फसलों पर एक ही राष्ट्रीय सम्मेलन की जगह अब क्षेत्रवार परामर्श की रणनीति अपनाई है, ताकि अलग-अलग जलवायु और मिट्टी की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर योजना बनाई जा सके।

बंगाल में ममता, केरल में कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रमुक चुनाव जीत रही है : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रमुक चुनाव जीत रही है।

अब्दुल्ला ने हजरतबल में पत्रकारों से हालिया चुनावों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मैं आपको बताता हूं, और बाकी सब तो ईश्वर ही जानते हैं, बंगाल में ममता बनर्जी जीत रही हैं, केरल में कांग्रेस जीत रही है और तमिलनाडु में (एम के) स्टालिन की पार्टी द्रमुक जीत रही है। यह ईश्वर की कृपा है।'' पश्चिम एशिया संघर्ष से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख ने कहा कि शांति आवश्यक है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि युद्ध जल्द से जल्द समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''यदि पश्चिम एशिया में शांति नहीं लौटती है, तो इस दुनिया के लिए बड़ी त्रासदी होगी, ऐसे में हर किसी को – हर देश, हर नेता – को यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि यह युद्ध तुरंत समाप्त हो जाए।'' केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' को लेकर जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए जनता का समर्थन अनिवार्य है।

साल 2026 का विस चुनाव बंगाल को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने के प्रयास का विरोध करने के लिए है : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में 'अपने विभाजनकारी एजेंडे को थोपने' की कोशिश कर रही ताकतों को शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि यह विधानसभा चुनाव राज्य को 'कमजोर' करने और उस पर नियंत्रण करने के एक व्यवस्थित प्रयास का प्रतिरोध करने को लेकर है।

पिछले एक महीने से राज्य भर में घूम रहीं और चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहीं बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा कि बंगाल को 'कमजोर' करने के हर प्रयास का निर्णायक लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कहा, दिल्ली में बैठे लोग बंगाल के अधिकारों को छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साजिश रच रहे हैं, लेकिन उन्हें यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है और वे अपने वोट के जरिए जवाब देंगे। यह चुनाव बंगाल को कमजोर करने और उस पर नियंत्रण करने के व्यवस्थित प्रयास का विरोध करने को लेकर है।

मुख्यमंत्री का इशारा स्पष्ट रूप से राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य सहित भाजपा के केंद्रीय नेताओं द्वारा चलाए जा रहे निरंतर प्रचार अभियान की ओर था।

बनर्जी ने कहा, चौरंगी, भवानीपुर, यादवपुर और टॉलीगंज में मैंने लोगों को स्पष्ट इरादे, दृढ़ संकल्प, एकता के साथ बंगाल, उसकी पहचान और उसके भविष्य की रक्षा के लिए तत्परता से उमड़ते देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे दिल्ली से बंगाल चला सकते हैं, उसकी राजनीति तय कर सकते हैं, उसके लोगों को बांट सकते हैं और उसकी संस्कृति को विकृत कर सकते हैं, वे बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। इस भूमि की स्मृति लंबी है और इसकी रीढ़ की हड्डी बहुत मजबूत है।

थॉमस कप फाइनल के पहले मैच में भारत ने कनाडा को 4-1 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होर्सेंस (डेनमार्क)/भाषा। लक्ष्य सेन को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा लेकिन आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने जीत दर्ज की जिससे 2022 के चैंपियन भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप फाइनल के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा पर 4-1 से शानदार जीत हासिल की।

लक्ष्य सेन को शानदार प्रयास के बावजूद दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 18-21, 21-19, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। इसके विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने जोनाथन बिंग त्सान लाई और केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया।

हाल में हुई एशिया चैंपियनशिप के उपविजेता 20 वर्षीय आयुष ने फिर दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी ब्रायन यांग को 39 मिनट में 21-13, 21-17 से हराकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। दूसरी युगल जोड़ी हरिहरन अमसकरुणन और एम आर अर्जुन ने टाइ अलेक्जेंडर लिंडेमैन और नाइल याकुरा पर 21-7, 21-15 की शानदार जीत के साथ भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। किदांबी श्रीकांत ने पांचवें और औपचारिकता मात्र रह गए मैच में दुनिया के 77वें नंबर के खिलाड़ी जोशुआ गुयेन को 21-17, 21-12 से मात दी।

इस तरह भारत ने मैच 4-1 से अपने नाम किया और चीन के बाद तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं 11 बार के विजेता और मौजूदा चैंपियन चीन ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया।

चारों ग्रुप में से शीर्ष दो टीमें क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

दीप्ति शर्मा की फॉर्म चिंता का विषय है, लेकिन वह वापसी करेंगीः अमोल मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा के राष्ट्रीय टीम के साथ लंबे समय से चल रहे खराब दौर को चिंताजनक करार देते हुए उम्मीद जताई कि वह जल्द ही फॉर्म में वापसी करेंगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में लगातार तीन मैच हारकर श्रृंखला गंवा चुकी है। इस दौरान दीप्ति का गेंदबाजी प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और वह अब तक एक भी विकेट हासिल नहीं कर सकी हैं। इस श्रृंखला के तसरे मैच में लॉरा वोल्वार्ट और सुने लुस ने दीप्ति की गेंदबाजी की जमकर धुनाई करते हुए उनके 3.3 ओवर में 46 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में 192 रन का लक्ष्य एक विकेट गंवा कर हासिल कर लिया। पिछले 10 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों (तीनों प्रारूपों में) में दीप्ति का योगदान भी सीमित रहा है, जहां उन्होंने केवल 51 रन बनाए और सात विकेट ही लिए हैं।

चौथे मैच से पहले मजूमदार ने कहा, मैं बात घुमाना नहीं चाहता, दीप्ति के मामले में यह निश्चित रूप से थोड़ी चिंता की बात है। उन्होंने कहा, '' लय अस्थायी होती है और कौशल स्थायी। यह एक आम कहावत है, लेकिन सभी खिलाड़ियों पर लागू होती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह कमाल की खिलाड़ी है।

सुविचार

जीत की खातिर बस जुनून चाहिए, जिसमें उबाल हो ऐसा खून चाहिए, यह आसमान भी आएगा ज़मीन पर, बस इरादों में जीत की गूँज चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भ्रमित और कुंठित ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भारत के बारे में जो टिप्पणी की, वह अत्यंत निंदनीय है। उनका एक-एक शब्द यह गवाही दे रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अगर उन्हें समय रहते मर्यादा में नहीं रखा गया तो वे दुनिया को किसी बड़ी मुसीबत के मुंह में धकेल सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान पर हमला करने के बाद ट्रंप को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अगर वे पीछे हटेंगे तो इसे उनकी करारी हार माना जाएगा। अगर वे आगे बढ़ेंगे तो उन पर ईरानी जनता की हत्या के गंभीर आरोप लगेंगे। ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के लिए लालायित हैं। उन्होंने दर्जनों मनगढ़ंत दावे कर अपनी दावेदारी मजबूत करने की कोशिश की, लेकिन दाल नहीं गली। ईरान पर बड़ा हमला करने के बाद उनका दावा भी खटाई में पड़ गया है। उनके शब्दों से गहरा गुस्सा झलक रहा है। वे कुंठित नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोचा होगा कि ईरान दो-चार दिनों में ही घुटनों पर आ जाएगा, लेकिन उसने ऐसा करारा जवाब दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की हालत सांप-छछूंदर जैसी हो गई है। अब वे जन्मजात नागरिकता का मुद्दा उठाकर भारत के बारे में अनुचित टिप्पणी कर रहे हैं। अगर ट्रंप को अमेरिका स्वर्ग और अन्य देश नरक लगते हैं तो अमेरिकी राष्ट्रपति वहां क्यों जाते हैं? क्यों उन देशों से संबंध रखते हैं? अपने देश तक सीमित रहें और 'स्वर्गवासी' कहलाएं।

अगर अमेरिका इतना महान देश है तो डोनाल्ड ट्रंप अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रुकवा पाए? अमेरिका की इतनी ज्यादा धाक है तो वह उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के आगे क्यों फेल हो गई?

ट्रंप ज्यादातर समस्याओं का एक ही समाधान जानते हैं। वह है- टैरिफ! उन्हें ऐसा लगता है कि टैरिफ वह चाबुक है, जिसे फटकारने भर की देर है। उसके बाद दुनिया सीधे रास्ते पर आ जाएगी।

अगर अमेरिका इतना महान देश है तो डोनाल्ड ट्रंप अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रुकवा पाए? अमेरिका की इतनी ज्यादा धाक है तो वह उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के आगे क्यों फेल हो गई? अगर अमेरिकी राष्ट्रपति खुद को सर्वशक्तिमान समझते हैं तो ईरानी नेतृत्व को क्यों नहीं झुका पाए? ट्रंप की बेतुकी बयानबाजी सुनकर लगता है कि 'थोथा चना, बाजे घना' वाली कहावत यूं ही नहीं बनाई गई है। ट्रंप की हालत उस ईर्ष्यालु छात्र जैसी है, जो पढ़ना नहीं चाहता, लेकिन कक्षा में प्रथम आना चाहता है और पुरस्कार पर अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझता है। ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कट्टर आलोचक हैं, जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। वे ओबामा से पीछे नहीं रहना चाहते। उनका सपना है कि दुनिया उन्हें 'शांति पुरुष' के रूप में याद करे और ओबामा से ज्यादा योग्य समझे। जब कभी उन्हें महसूस होता है कि 'शांति पुरुष' कहलाने की संभावनाएं धूमिल होती जा रही हैं तो भड़क जाते हैं और उल्टे-सीधे बयान देने लगते हैं। ऐसे व्यक्ति की मानसिक स्थिति क्या होगी, जो एक दिन किसी देश को महान बताकर उसके प्रधानमंत्री को अपना सबसे अच्छा मित्र बताए और अगले दिन उस देश को नरक घोषित कर दे? ट्रंप के इस बयान को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। लोगों को अमेरिका जाने का मोह छोड़कर अपने देशों को महान बनाना चाहिए। शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार समेत सभी सुविधाएं अपने देशों में भी पैदा की जा सकती हैं। इसके लिए सरकारें इच्छाशक्ति दिखाएं। विदेश जाकर अपमान झेलने से कई गुना बेहतर है अपने देश की रोटी; भले ही रूखी-सूखी हो, लेकिन अपनी मिट्टी और अपने पसीने की हो।

ट्वीटर टॉक

'नेशनल पंचायती राज डे' पर राज्य के सभी निवासियों को दिल से बधाई और शुभकामनाएं। हमारी कोशिश गांवों को मज़बूत बनाना और उन्हें तरक्की के रास्ते से जोड़ना है, और गांव की तरक्की के ज़रिए देश की तरक्की के सपने को पूरा करना है।

-दिया कुमारी

कांग्रेस और विपक्ष ने हमेशा महिला शक्ति को नज़रअंदाज़ किया है, जबकि हमारी सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के ज़रिए माताओं और बहनों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जब महिलाएं लीड करती हैं।

-भजनलाल शर्मा

मैं यूथ कांग्रेस के बब्बर शेर साथियों से मिला, जिन्हें उनके शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किया गया था। शांतिपूर्ण विरोध हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। और यह तब और भी ज़रूरी हो जाता हैजब देश के पीएम से समझौता किया जाता है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सहजता की जीत

एक बार चीन के राजा ने महान दार्शनिक लाओत्से की बुद्धि और ज्ञान से प्रभावित होकर उन्हें अपने राज्य में उच्च पद देने का निश्चय किया। राजा ने दूतों को भेजा। दूत जब पहुंचे, तो उन्होंने देखालाओत्से नदी के किनारे खड़े शांत भाव से बहते जल को निहार रहे हैं। दूतों ने संदेश सुनाया। लाओत्से मुस्कुराए। उन्होंने नदी की ओर इशारा करते हुए पूछा, क्या तुम देख सकते हो, यह पानी कैसे बहता है? दूतों ने कहा, हां, यह अपनी दिशा में बह रहा है। लाओत्से बोले, 'यह जल कभी किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, फिर भी सबसे आगे बढ़ता है। यह किसी पहचान या पुरस्कार की इच्छा नहीं रखता, फिर भी सबका जीवन पोषित करता है। इसकी ताकत इसके सहज प्रवाह में है।' इतना कहकर उन्होंने एक सूखा पत्ता उठाया और नदी में डाल दिया। पत्ता बिना किसी संघर्ष के धारा के साथ बहने लगा। लाओत्से ने समझाया, 'जो व्यक्ति जीवन के प्रवाह के साथ चलना सीख जाता है, वह सबसे अधिक दूर तक पहुंचता है। जो हर चीज़ को पकड़ने की कोशिश करता है, वही बंध जाता है; और जो छोड़ना सीख लेता है, वही सच में स्वतंत्र होता है।'

सामयिक

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया खेला?

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका वोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है।

वर्ष 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है।

तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है।

दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

नजरिया

बलबीर पुंज : एक दूरदर्शी एवं ध्येयनिष्ठ चिंतक का अवसान

बलबीर पुंज

प्रणय कुमार
मोबाइल : 9588225950

प्रख्यात चिंतक, लेखक, स्तंभकार और पूर्व राज्यसभा सांसद बलबीर पुंज नहीं रहे। गत 18 अप्रैल को उनका निधन हो गया। मस्तिष्क इसे मान भी ले तो हृदय मानने को तैयार नहीं होता। क्या लिखा जाए, कैसे लिखा जाए, कहां से शुरुआत की जाए और कहां समाप्त किया जाए? यह तय कर पाना अत्यंत कठिन हो रहा है। कभी-कभी किसी विराट व्यक्तित्व के जाने से ऐसी रिक्तता उत्पन्न होती है, जिसे भर पाना कदाचित संभव नहीं होता। बलबीर पुंज का जाना ऐसी ही रिक्तता का बोध कराता है।

वे एक ऐसे व्यक्तित्व थे, जो सदैव लिखने-पढ़ने वाले लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते रहते थे। राष्ट्रीय धारा के लेखकों, स्तंभकारों और पत्रकारों के किसी अच्छे लेख पर वे अपनी टिप्पणी देते, उसे पढ़ने के लिए अपने परिचितों के साथ साझा करते और प्रायः स्वयं फोन कर लेखक को बताते कि उसके लेख में क्या खूबियां हैं, कहां सुधार की आवश्यकता है तथा विषय को और गहराई से समझने के लिए किन-किन लेखकों को पढ़ना चाहिए। यह वास्तव में एक दुर्लभ गुण था, विशेषतः ऐसे व्यक्ति में जो स्वयं एक स्थापित चिंतक, दो बार राज्यसभा सदस्य, भाजपा के बौद्धिक रणनीतिकारों में प्रमुख और संगठन के उच्च पदों पर रहा हो। उनकी सादगी, सहजता, सर्वसुलभता और निरहंकारिता केवल प्रभावित ही नहीं करती थीं, बल्कि कई बार अविश्वसनीय भी लगती थीं। यदि कोई लेखक, पत्रकार या स्तंभकार स्वास्थ्य संबंधी या अन्य किसी समस्या का सामना कर रहा होता, तो वे उसका कुशल-क्षेम लेना कभी नहीं भूलते थे। संपर्क-सूत्र उपलब्ध न होने पर भी वे किसी परिचित से उसका नंबर लेकर उससे संवाद स्थापित करते और उसके दुःख-दर्द में सहभागी बनते। आज के समय में, जब संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, ऐसी आत्मीयता अत्यंत दुर्लभ है।

आयु के आठवें दशक में भी उनकी सक्रियता आश्चर्यचकित करती थी। वे निरंतर लेखन, चिंतन और विमर्श में सक्रिय रहे। अनेक वॉट्सऐप समूहों पर वे न केवल अपने लेख साझा करते थे, बल्कि दूसरों के लेखों और टिप्पणियों को भी ध्यानपूर्वक पढ़कर उन पर सारगर्भित प्रतिक्रिया देते थे। कभी-कभी वे अन्य महत्त्वपूर्ण लेख साझा कर सभी को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। अपने देहावसान से तीन-चार दिन पूर्व तक उनका लेखन जारी रहा, यह उनकी साधना और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनके लिए लेखन केवल विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि एक साधना थी। वे कहा करते थे कि यदि 'रामजी' ने लेखनी की सामर्थ्य दी है, तो उसका उपयोग देश, धर्म और संस्कृति के लिए होना चाहिए। इसी में जीवन की धन्यता और सार्थकता है। वे लेखकों, पत्रकारों और संपादकों को यह प्रेरणा देते थे कि लेखन को ही अपना सबसे सशक्त उपकरण बनाएं। कार्यक्रमों और आयोजनों की अपेक्षा लेखन अधिक स्थायी प्रभाव छोड़ता है। सधी हुई लेखनी ही समय के शिलालेख पर अपनी अमिट छाप छोड़ती है। इस संदर्भ में वे सीताराम गोयल, रामस्वरूप और धर्मपाल जैसे चिंतकों से प्रेरणा लेने की बात करते थे। उनका कहना था कि उनके जाने के बाद दुनिया ने उनकी लेखनी के तत्त्व व महत्त्व को समझा।

किसी भी विषय पर उनकी समझ अत्यंत गहरी और व्यापक थी। वे केवल घटनाओं की सतह पर नहीं रुकते थे, बल्कि उनके मूल तक जाकर विश्लेषण करते थे। भारतीय विमर्श (नैरेटिव्स) की उनकी समझ विलक्षण थी। उनकी पुस्तक 'नैरेटिव्स का मायाजाल' इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उनके लेखों में लिजलिजी-पिलपिली भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं होता था। वे तर्कों को स्पष्टता और तथ्यों को प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत करते थे। यही कारण था कि उनके विचारों का खंडन करना उनके विरोधियों के लिए भी सहज नहीं होता था।

उन्होंने भारतीय सभ्यता, सनातन संस्कृति और उसके इतिहास का गहन अध्ययन किया था। साथ ही, उन्होंने अब्राहमिक सभ्यताओं का भी सूक्ष्म विश्लेषण किया था। इस कारण वे वैश्विक स्तर पर चल रहे सभ्यतागत संघर्ष का यथार्थ चित्र प्रस्तुत कर पाते थे। वे हिंदुत्व की उदारता, बहुलता और सह-अस्तित्व की भावना को पहचानते थे, परंतु इसके समक्ष उपस्थित वर्तमान और संभावित संकटों के प्रति भी उतने ही सजग थे। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से समाज को बार-बार इन चुनौतियों व संभावित संकटों के प्रति सचेत किया था। वे मानते थे कि खंडित समाज किसी भी वैचारिक या सामाजिक चुनौती का सामना नहीं कर सकता। इसलिए उन्होंने संगठित समाज के महत्त्व को जीवनभर रेखांकित किया। वे जानते थे कि वामी-जिहादी-यूरोपंथी गठजोड़ के समक्ष असंगठित हिंदू-समाज टिक नहीं सकता। अतः उन्होंने अपना लेखकीय-जीवन समाज को संगठित करने की आवश्यकता समझाने में समर्पित किया।

वे व्यक्तिगत बातचीत में संगठनात्मक सुधार के बिंदुओं का उल्लेख अवश्य करते थे, परंतु सार्वजनिक रूप से उन्होंने सदैव संगठन की मर्यादा को सर्वोपरि रखा। वे इस बात के प्रति सजग थे कि किसी भी बड़े ध्येय की प्राप्ति के लिए ध्येयनिष्ठा, अनुशासन और व्यक्तिगत आकांक्षाओं का त्याग आवश्यक होता है। वे संघ विचारों के निकट थे और स्वयंसेवकों को साधक के रूप में देखते थे। उनका विश्वास था कि स्वयंसेवकों की साधना से ही समाज में अनुकूल परिवर्तन संभव हुआ है और राष्ट्र, धर्म व संस्कृति के प्रति गौरव-बोध जाग्रत हुआ है। फिर भी, वे इस बात से चिंतित थे कि बौद्धिक और शैक्षिक क्षेत्रों में वामपंथ का प्रभाव अब भी बना हुआ है। उनका मानना था कि साल 2014 के बाद राजनीतिक और हिंदी मीडिया जगत में परिवर्तन अवश्य आया है, परंतु अंग्रेजी मीडिया, शैक्षिक संस्थानों व सत्ता-प्रतिष्ठानों में वैचारिक असंतुलन अभी भी विद्यमान है। वहां अभी भी वामपंथ व औपनिवेशिक मानसिकता हावी है। वे बार-बार कहते थे कि इक्कीसवीं सदी की मुख्य लड़ाई नैरेटिव्स' के स्तर पर ही लड़ी जाएगी। जो इस लड़ाई को जीतेगा, वही अंततः समाज की दिशा तय करेगा। इसलिए वे युवाओं और कार्यकर्ताओं को पढ़ने-लिखने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित करते थे।

वे जनसंख्या के बदलते स्वरूप और उसके सामाजिक प्रभावों को लेकर भी अत्यंत गंभीर थे। इस विषय पर एक विस्तृत पुस्तक लिख रहे थे और इसके लिए उन्होंने सैकड़ों ग्रंथों का अध्ययन किया था। उनका चिंतन वायवीय नहीं, बल्कि यथार्थपरक और तथ्याधारित होता था।

भारत के विभाजन की पीड़ा उनके लेखन और चिंतन में बार-बार प्रकट होती थी। वे इस बात से व्यथित थे कि समाज उस ऐतिहासिक, पीड़ादायक अनुभव एवं त्रासदी से अपेक्षित शिक्षाएं नहीं ले पाया है। वे कहते थे कि यदि समाज अपने अतीत से सबक नहीं लेगा, तो भविष्य में भी वही गलतियां दोहराएगा। वे बदलती जनसंख्या संरचना, मतांतरण, घुसपैठ एवं जनसंख्या के आनुपातिक असंतुलन को गंभीर समस्या मानते थे और समाज को इसके प्रति जागरूक रहने का आग्रह करते थे। उनके अनुसार, आत्ममुग्धता या वास्तविकता से विमुख होना समाज के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इसलिए वे चाहते थे कि हिंदू-समाज सद्गुण-विकृति का शिकार न हो, बल्कि उससे यथाशीघ्र मुक्त हो।

आज जब बलबीर पुंज हमारे बीच नहीं हैं, तब यह अनुभूति और भी तीव्र हो उठती है कि राष्ट्र ने एक सजग, निर्भीक, सत्यदर्शी एवं राष्ट्रनिष्ठ वैचारिक प्रहरी खो दिया है। उनका जीवन हमें यह स्मरण कराता रहेगा कि ध्येय के प्रति अटूट निष्ठा और धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण ही जीवन को सच्ची सार्थकता प्रदान करते हैं। जिस दौर में हिंदुत्व, राष्ट्रीय विचारों और सनातन संस्कृति के अनुकूल लेखन करना सहज स्वीकार्य नहीं था, उस दौर में भी उन्होंने ध्येयनिष्ठा का मार्ग चुना, राष्ट्र का पक्ष चुना और जीवन-पर्यंत उसी पर अडिग रहे। निःसंदेह, उनकी स्मृतियां और उनका लेखन आने वाली पीढ़ियों को ध्येयनिष्ठा, साहस और राष्ट्रनिष्ठ चिंतन की प्रेरणा देते रहेंगे।

आज जब बलबीर पुंज हमारे बीच नहीं हैं, तब यह अनुभूति और भी तीव्र हो उठती है कि राष्ट्र ने एक सजग, निर्भीक, सत्यदर्शी एवं राष्ट्रनिष्ठ वैचारिक प्रहरी खो दिया है। उनका जीवन हमें यह स्मरण कराता रहेगा कि ध्येय के प्रति अटूट निष्ठा और धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण ही जीवन को सच्ची सार्थकता प्रदान करते हैं। जिस दौर में हिंदुत्व, राष्ट्रीय विचारों और सनातन संस्कृति के अनुकूल लेखन करना सहज स्वीकार्य नहीं था, उस दौर में भी उन्होंने ध्येयनिष्ठा का मार्ग चुना, राष्ट्र का पक्ष चुना और जीवन-पर्यंत उसी पर अडिग रहे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बचाव

हैदराबाद में शुक्रवार को एक यात्री अपने परिवार के साथ टू-व्हीलर पर सवार है और उन्हें चिलचिलाती गर्मी से बचाव करता हुआ।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान युद्ध को दुनिया के लिए उपहार बताया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीटर हेगसेथ ने ईरान युद्ध को शुक्रवार को दुनिया के लिए उपहार बताया और कहा कि ईरानी जहाजों पर अमेरिकी नाकाबंदी जब तक आवश्यक होगा तब तक जारी रहेगी।वह अमेरिका के रक्षा विभाग मुख्यालय पेंटागन में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक सुरक्षा के लिए ईरानी खतरे को समाप्त करने के वाशिंगटन के साहसिक एवं खतरनाक मिशन को पूरा करने के वास्ते ईरानी जहाजों पर अमेरिकी नाकाबंदी जब तक आवश्यक होगा तब तक जारी रहेगी।अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि नाकाबंदी के कारण अब तक 34 जहाजों को वापस भेज दिया गया है, लेकिन पोत-ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि ईरान अब भी अपने प्रतिबंधित तेल का कुछ हिस्सा स्थानांतरित करने में सक्षम है।

नौवहन डेटा और खुफिया जानकारी से जुड़ी कंपनी 'लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस' ने कहा कि फारस की खाड़ी में अवैध बेड़ों की आवाजाही का एक निरंतर प्रवाह रहा है, जिसमें ईरानी माल से भरे 11 टैंकर भी शामिल हैं जो 13 अप्रैल से जलडमरूमध्य के बाहर ओमान की खाड़ी से रवाना हुए हैं। समुद्री खुफिया फर्म विंडवर्ड ने इस सप्ताह कहा कि ईरानी यातायात धोखे के माध्यम से जारी है। ईरानी पोत ट्रैकिंग डेटा में हेराफेरी करके और पाकिस्तानी जलक्षेत्र से यात्रा करके नाकाबंदी से बचने में सक्षम हैं।

खुशी

कोलकाता के दमदम में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान समर्थक खुशी से झूमते हुए।

हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में हिम चादर लगातार चौथे साल निम्न स्तर पर : आईसीआईएमओडी

काठमांडू/भाषा। एक रिपोर्ट के अनुसार गंगा बेसिन 2026 में सामान्य से अधिक बर्फ वाले 12 क्षेत्रों में शामिल रहा जबकि हिंदू कुश हिमालय में बर्फ की मात्रा लगातार चौथे वर्ष सामान्य से कम रही और पिछले वर्ष के रिकॉर्ड-निम्न स्तर से भी नीचे चली गई। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट' (आईसीआईएमओडी) द्वारा जारी हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) संबंधी एक वार्षिक रिपोर्ट है। आईसीआईएमओडी एचकेएच क्षेत्र में मौसमी हिमपात पर नजर रखता है और नवंबर से मार्च तक शीतकालीन महीनों में बर्फ की स्थिति का आकलन करता है। वर्ष 2003 से 2026 के बीच, एचकेएच क्षेत्र में 14 ऐसी सर्दियां रहीं जब सामान्य से कम बर्फ जमी। यह एक आवर्ती पैटर्न के रूप में उभर रहा है, विशेष रूप से हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति में वृद्धि नजर आयी है। एचकेएच संबंधी अद्यतन रिपोर्ट में कहा गया है, 2026, लगातार चौथा वर्ष है जब बर्फ की मात्रा सामान्य से कम है। बर्फ की मात्रा औसत से 27.8 प्रतिशत कम होकर पिछले वर्ष के 23.6 प्रतिशत के रिकॉर्ड निम्न स्तर से भी कम हो गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है, लगातार हो रही यह गिरावट दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला में मौसमी बर्फ भंडार के कम होने का संकेत देती है, जिससे एचकेएच से निकलने वाले 12 प्रमुख नदी बेसिनों पर निर्भर लगभग दो अरब लोगों की जल सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है। इनमें से दस बेसिनों में अब बर्फ की मात्रा सामान्य से कम है। आईसीआईएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार, मेकांग, तारिम और तिब्बती पठार में पिछले 24 वर्षों की निगरानी में बर्फ का सबसे कम स्तर दर्ज किया गया है।

एक्टर हुमा कुरैशी मुंबई में वेब सीरीज़ 'कप्तान' के सक्सेस सेलिब्रेशन के दौरान भाग लेते हुए।

इसहाक डार और ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने अमेरिका ईरान संघर्ष विराम पर विचार-विमर्श किया

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत की और क्षेत्रीय घटनाक्रम तथा अमेरिका-ईरान युद्धविराम के संबंध में चर्चा की। इसके साथ ही दूसरे दौर की शांति वार्ता की उम्मीदें बढ़ गई हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अराघची ने डार से फोन पर बातचीत की। डार पाकिस्तान के विदेश मंत्री भी हैं। बयान में कहा गया, ''दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय घटनाक्रम, संघर्षविराम और अमेरिका-ईरान वार्ता के संदर्भ में पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे कूटनीतिक प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' हालांकि इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

बयान में कहा गया है कि डार ने जल्द से जल्द क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए लंबित मुद्दों के समाधान हेतु सतत संवाद और मुलाकातों की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसमें आगे कहा गया कि अराघची ने इस संदर्भ में पाकिस्तान की निरंतर और रचनात्मक मध्यस्थता की भूमिका की सराहना की तथा दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने को लेकर सहमति जताई।ईरानी मीडिया ने बताया कि अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी बातचीत की।पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान को वार्ता की मेज पर लाने के लिए पिछले कुछ दिनों से अपने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार को भी यातायात ठप रहा, क्योंकि अधिकारी शांति वार्ता के लिए अमेरिका और ईरान के शीर्ष नेताओं के संभावित दौरे का इंतजार कर रहे हैं। प्रमुख मुद्दों पर मतभेदों के कारण यह वार्ता फिलहाल रुकी हुई है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी के प्रशासन ने अति विशिष्ट लोगों के आवागमन वाले क्षेत्रों में रविवार से ही सभी प्रमुख सड़कों और बाजारों को बंद कर दिया था, क्योंकि संकेत मिल रहे थे कि इस सप्ताह बातचीत किसी भी दिन शुरू हो सकती है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

जिला प्रशासन ने अभी तक नूर खान एयरबेस के आसपास के क्षेत्रों को फिर से खोलने और मेट्रो बस, इलेक्ट्रिक बस सेवाओं और माल परिवहन को फिर से शुरू करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।

पुराने हवाई अड्डे के आसपास की सड़कें, संपर्क मार्ग, बाजार और बैंक पिछले पांच दिनों से लगातार बंद हैं, जिसके कारण शाह फैसल कॉलोनी, खालिद कॉलोनी, गुलजार-ए-कायद, फज़ल टाउन और अन्य क्षेत्रों के निवासी अपने घरों में ही कैद हैं।

मेरी कोई 100 करोड़ वाली फिल्म नहीं, फिर भी मैं इंडस्ट्री की सबसे सफल प्रोड्यूसर्स हूँ : गुनीत मोंगा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

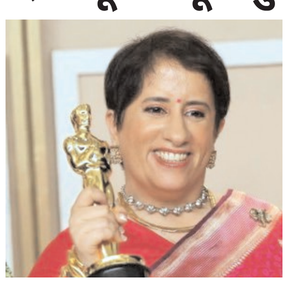

गुनीत मोंगा कपूर ने अपने करियर में सफलता की परिभाषा ही बदल दी है। बिंदास, शार्प और पूरी तरह ओरिजिनल वो उन कहानियों पर दांव लगाती हैं जो दिल छूती हैं, सिर्फ बिकती नहीं। इंडी फिल्मों को आगे बढ़ाने से लेकर इंडियन स्टोरीटेलिंग को ग्लोबल मंच तक ले जाने तक, उन्होंने खुद को इंडस्ट्री की सबसे रिस्पेक्टेड प्रोड्यूसर्स में शामिल कर लिया है। वो इकलौती भारतीय प्रोड्यूसर हैं जिन्हें द एलीफेंट व्हिस्परर्स के लिए ऑस्कर मिला- एक ऐसा मोमेंट जिसने इंडियन कंटेंट को इंटरनेशनल लेवल पर एक अलग पहचान दी।

सालों से अपनी कंपनी सिख्या एंटरटेनमेंट के जरिए, गुनीत मोंगा कपूर लगातार ऐसी कहानियों को सपोर्ट करती आई हैं जिनमें दम है, ओरिजिनैलिटी है। चाहे क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्में हों, नए टैलेंट की शुरुआत हो या फिर कल्चरल इम्पैक्ट वाली स्टोरीज- उनकी फिल्मोग्राफी हमेशा रिस्क लेने और नए वॉइसेज़ को प्लेटफॉर्म देने की मिसाल रही है। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलकर बताया कि हमारे यहां फिल्मों की सफलता अक्सर सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर से नापी जाती है, जबकि असली वैल्यू कहीं और भी हो सकती है। उनके शब्दों में: सच बताऊं तो मेरी कभी 100 करोड़ वाली फिल्म नहीं रही। लेकिन मैं सबसे सफल प्रोड्यूसर्स में गिनी जाती हूं।इंडिया में 100 करोड़ कमाने से वैलिडेशन मिलता है। लेकिन अगर मैं 15 करोड़ में फिल्म बनाकर 30 करोड़ कमा लूं, तो मेरा ठजख हाई है और मैं सफल हूं। ये मैंने थेरेपी में भी सीखा। वरना हेडलाइंस वही बनती हैंजिसने 100 करोड़ कमाए वो अच्छा, जिसने 500 करोड़ कमाए वो बहुत अच्छा। आज हम अच्छाई-बुराई भी पैसों से माप रहे हैं हम खुद को कहां ले आए हैं?

वो आगे कहती हैं कि उनके साथ अभी तक ऐसा नहीं हुआ, लेकिन वो एक दिन 100 करोड़ कमाने वाली फिल्म बनाना जरूर चाहती हैं। मेरे पास जो एक्सेस था, मैंने उसी दायरे में काम कियाफर्स्ट-टाइम डायरेक्टर्स, यंग एक्टर्स मैं उन्हीं लोगों के साथ काम करती हूं जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं।मैंने कभी बड़े स्टार या वैलिडेशन का इंतजार नहीं किया कि वही हां बोलेगा तब फिल्म बनेगी। उनका ये नजरिया इंडस्ट्री में चल रही एक बड़ी बातचीत को दिखाता हैजहां अब सिर्फ कमाई नहीं, बल्कि क्रिएटिव वैल्यू, सस्टेनेबिलिटी और लॉन्ग-टर्म इम्पैक्ट भी मायने रखता है।आगे बढ़ते हुए, गुनीत मोंगा कपूर सिख्या एंटरटेनमेंट के तहत नए प्रोजेक्ट्स, फ्रेश टैलेंट और अलग-अलग जॉनर की कहानियों पर काम कर रही हैंऔर साफ है, उनका फोकस सिर्फ नंबर नहीं, कहानी का असर है।

प्यार और जंग में सब जायज है, जेल से सुकेश चंद्रशेखर ने एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को लिखा लेटर

मुंबई/एजेन्सी

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस द्वारा 'अप्रूवर' (सरकारी गवाह) बनने के आवेदन दायर करने के बीच आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने अभिनेत्री को जेल से एक बार फिर पत्र लिखा है। इस पत्र में सुकेश ने कहा, प्यार और जंग में सब जायज है। सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र की शुरुआत बेबी बोट्टा बोम्मा से की और जैकलीन को मेरी जैकी संबोधित करते हुए लिखा, प्यार और जंग में सब जायज है, तुम मेरी हो, मैं हमेशा तुम्हारा हूं। मैं हमेशा तुम्हारे साथ खड़ा रहूंगा। पत्र में सुकेश ने अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, तुमसे पागलों की तरह प्यार करता हूं। तुम्हारी याद आ रही है और हमारे बीच बस यही बात मायने रखती है। पत्र के अंत में सुकेश ने खुद को आपका बेबी बॉय, सुकाश बताया। सुकेश का यह पत्र ऐसे समय में आया है जब अदालत में याचिका पर सुनवाई चल रही है। सुकेश वर्तमान में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जेल में बंद है। वह पहले भी जैकलीन को कई बार पत्र लिख चुका है, जिनमें अपने प्यार और समर्थन का जिक्र किया गया है। वहीं, हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस ने दिल्ली की अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अप्रूवर बनने का आवेदन दायर किया था, जिस पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपना जवाब देने के लिए समय मांगा है। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई। इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है। साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

कृतिका कामरा ने बताए 'मटका किंग' में गुलरुख के खास लुक के राज

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय ओटीटी और फिल्मों की दुनिया में जब भी किसी पुराने दौर को पर्दे पर दोबारा दिखाया जाता है, तो उसके पीछे गहरी रिसर्च होती है। ऐसी ही एक कोशिश हाल ही में वेब सीरीज़ 'मटका किंग' में देखने को मिली, जहां अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपने किरदार गुलरुख के जरिए 1960 और 1970 के दशक के मुंबई का फैशन और माहौल फिर से जीवंत कर दिया।

इस किरदार की तैयारी में उन्होंने न सिर्फ उस समय की मशहूर फिल्मों और सितारों को देखा, बल्कि उस दौर की असली जिंदगी, स्टाइल और सामाजिक माहौल को भी करीब से समझने की कोशिश की। कृतिका कामरा ने बताया कि उनके किरदार का लुक बनाने की शुरुआत एक खास तस्वीर से हुई थी, जो निर्देशक नागराज सर ने उन्हें दिखाई थी। यह तस्वीर परवीन बॉबी की थी। उन्होंने कहा, ''इसके बाद टीम ने जीनत अमान, शर्मिला टैगोर और रेखा जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों के स्टाइल और पर्सनैलिटी को भी देखा। कॉस्ट्यूम डिजाइनर प्रियंका दुबे ने मेरे साथ कई बार ट्रायल किए, ताकि हर आउटफिट, हर ड्रेस और हर लुक उस समय की असलियत को सही तरह से दिखा सके।''

कृतिका ने कहा, ''टीम ने उस दौर की असली तस्वीरों और दस्तावेजों को भी खंगाला। इसमें जैज क्लब, रेसिंग इवेंट्स और पारसी इवेंट्स के कार्यक्रमों की तस्वीरें शामिल थीं। इन सब चीजों ने मिलकर यह समझने में मदद की कि उस समय लोग कैसे रहते थे, कैसे कपड़े पहनते थे और उनका पूरा माहौल कैसा हुआ करता था। यही वजह है कि गुलरुख का किरदार सिर्फ एक फैशनेबल लुक नहीं बल्कि एक जीवंत समय का एहसास देता है।''

कृतिका कामरा ने कहा, ''मेरे किरदार को गढ़ने में सिर्फ कपड़े या मेकअप ही नहीं, बल्कि हर छोटी चीज का ध्यान रखा गया था। हेयरस्टाइल से लेकर जूते और एक्सेसरीज तक सब कुछ बहुत सोच-समझकर चुना गया। इन्हीं बारीकियों की वजह से मुझे अपने किरदार में ढलने और गुलरुख के आत्मविश्वास को समझने में मदद मिली। जब तक किरदार का पूरा लुक सही नहीं होता, तब तक उसकी असली भावना को पर्दे पर लाना मुश्किल होता है।''

'पति पत्नी और वो 2' का गाना 'रूप दी रानी' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का नया गाना 'रूप दी रानी' बुधवार को रिलीज कर दिया है। आयुष्मान अपने इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, तीन हसीनाएं और पांडे जी का स्वैग...इसमें पूरा कन्फ्यूजन और मनोरंजन होगा। गाना 'रूप दी रानी' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना फिल्म के मजेदार माहौल को अच्छी तरह से दर्शाता है। इसकी कैची धुनों पर मुख्य कलाकार आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह जमकर थिरकते नजर आ रहे हैं। गाने को गुरु रंधावा और और हीर ने मिलकर गाया है। इसके बोल इंदीवर ने लिखे हैं, जबकि संगीत तनिष्क बागची ने दिया है। डांस की कोरियोग्राफी बॉस्को-लेस्ली मार्टिस ने की है। उन्होंने एक मजेदार हुक स्टेप भी तैयार किया है, जो शादी वाले सीन की ओर इशारा करता है। गाने के रंगीन और एनर्जेटिक विजुअल्स फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं।

मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म 'पति पत्नि और वो दो' का निर्माण भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा ने किया है। यह 2019 की हिट फिल्म 'पति पत्नी और वो' फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जहां कानपुर के इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध को मजेदार अंदाज में पर्दे पर दिखाया गया था।

इस बार प्रयागराज के प्रजापति पांडे की दुनिया को भी हल्के-फुल्के हास्य अंदाज में दिखाया जाएगा। दरअसल, इस बार फिल्म में प्रजापति पांडे के जीवन में तीन महिलाओं के आने से पैदा होने वाला कन्फ्यूजन को दिखााया जाएगा। फिल्म का टीजर पहले जारी किया जा चुका है, जिसे दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म 'पति पत्नि और वो दो' 15 मई को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मॉडलिंग की चमक-धमक और 'बाबूजी गर्ल' का टैग, आश्रम से मिला इंडस्ट्री का रास्ता

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के बीच कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो सफलता मिलने के बाद भी अंदर से खालीपन महसूस करते हैं और खुद को तलाशने की कोशिश में अलग रास्ता चुनते हैं। याना गुप्ता की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। यूरोप और जापान में मॉडलिंग की दुनिया में नाम कमाने के बाद जब लगातार काम और भागदौड़ से उनका मन थक गया, तब वह शांति और सुकून के लिए भारत के पुणे स्थित ओशो आश्रम आ गईं। शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। अध्यात्म की खोज में भारत आई याना आगे चलकर बॉलीवुड की सबसे चर्चित आइटम गर्ल्स में से एक बन गईं। याना गुप्ता का जन्म 23 अप्रैल 1979 को चेकोस्लोवाकिया के ब्रनो शहर में हुआ था, जो आज चेक रिपब्लिक का हिस्सा है। उनका असली नाम जाना सिंकोवा था। बचपन से ही उनकी जिंदगी आसान नहीं रही। जब वे छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए थे। इसके बाद उनकी मां ने अकेले ही याना और उनकी बहन की परवरिश की। परिवार आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना कर रहा था, इसलिए याना ने बचपन से ही संघर्ष देखा। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने गार्डनिंग और पार्क आर्किटेक्चर की पढ़ाई शुरू की। इसी दौरान उनकी एक दोस्त मॉडलिंग कोर्स करने जा रही थी और उसने याना को भी साथ चलने के लिए कहा। यहीं से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। याना ने मॉडलिंग सीखी और बहुत जल्द इस दुनिया में पहचान बना ली। कम उम्र में ही वे प्रोफेशनल मॉडल बन गईं और यूरोप के कई देशों के साथ-साथ जापान में भी काम करने लगीं।

लेकिन, लगातार काम और ग्लैमर की दुनिया की भागदौड़ से वे धीरे-धीरे परेशान होने लगीं। उन्हें लगने लगा कि जिंदगी में सिर्फ काम और शोहरत ही सब कुछ नहीं है। वे मानसिक शांति चाहती थीं। इसी दौरान उन्हें भारत के पुणे में मौजूद ओशो आश्रम के बारे में पता चला। उन्होंने सब कुछ छोड़कर भारत आने का फैसला किया। यहां वे अध्यात्म और खुद को समझने की कोशिश करने लगीं।

ओशो आश्रम में ही उनकी मुलाकात कलाकार सत्यकाम गुप्ता से हुई। दोनों करीब आए और साल 2001 में शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने अपने नाम के साथ 'गुप्ता' जोड़ लिया और भारत को ही अपना घर बना लिया। इसी दौरान उन्होंने भारत में मॉडलिंग की शुरुआत की। शुरुआत में उन्हें यहां कोई नहीं जानता था, इसलिए उन्होंने खुद मेहनत करके काम ढूंढना शुरू किया। मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी के साथ काम करने के बाद उनकी जिंदगी बदल गई। धीरे-धीरे वे बड़े विज्ञापनों और फैशन शो का हिस्सा बनने लगीं। फिर साल 2003 में उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ आया। उन्हें फिल्म 'दम' में 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गाने पर परफॉर्म करने का मौका मिला। इस गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। लोग फिल्म से ज्यादा याना को याद रखने लगे। इसके बाद उन्हें बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में कई आइटम नंबर मिलने लगे।

वे 'अन्नियन' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। हालांकि, सफलता के साथ एक मुश्किल भी आई। फिल्म इंडस्ट्री उन्हें सिर्फ ग्लैमरस और आइटम नंबर वाले रोल देने लगी। याना चाहती थीं कि वे गंभीर किरदार निभाएं, लेकिन उन्हें वैसा मौका कम मिला। धीरे-धीरे उनकी पहचान सिर्फ एक 'आइटम गर्ल' बनकर रह गई। इसके बावजूद, उन्होंने कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया।

मैसूरु के पावापुरी जल मंदिर के शिखर पर हुआ 11वां ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रांगण में पावापुरी जल मंदिर का 11वां ध्वजारोहण पूरे विधि विधान से साध्वी शीतलरत्नाश्रीजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ध्वजा के संपूर्ण लाभार्थी बनने का लाभ चम्पाबाई गुलाबचंद व सुंदरबेन वसंतकुमार राठौड़ परिवार को प्राप्त हुआ। प्रातःकाल से ही मंदिर में भक्तिभाव का वातावरण बना रहा। सुमतिनाथ जैन महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा श्रद्धा व आस्था से स्नात्र पूजा एवं सतर भेदी पूजा सम्पन्न कराई गई। साथ ही जल मंदिर के वार्षिक चढ़ावे भी बोले गए। राठौड़ परिवार के सदस्यों ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। पूज्य साध्वीजी ने अपने प्रवचन में ध्वजा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, सचिव प्रवीण जैन, उपाध्यक्ष वसंत जैन, खजांची पारस जैन, सहसचिव घेवरचंद जैन सहित अशोक जैन, जयंतीलाल जैन, राजेश जैन, कांतिलाल जैन, मांगीलाल जैन, शांतिलाल जैन, हीराचंद जैन, सुविधिनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल जैन, धनेश जैन एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे ।

बीदर में बिजली गिरने से दो किसानों की मौत

बीदर। कर्नाटक के बीदर जिले में आंधी-तूफान के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आकर दो किसानों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। किसानों की पहचान नवदगी निवासी रेवनसिद्धा (28) और जेवरगी निवासी यल्लालिंगा (28) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार शाम भालकी तालुका के नवदगी गांव में यह घटना तब हुई जब दोनों किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे।

पुलिस ने कहा, अचानक बारिश शुरू होने पर दोनों व्यक्ति खेत में एक आम के पेड़ के नीचे शरण लेने चले गए और उसी पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरी, जिससे दोनों (किसानों) की मौत हो गई। खटक चिंचोली पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

व्यर्थ को चुनेंगे तो जिंदगी का अर्थ समाप्त हो जाएगा : डॉ. समकितमुनि

दोड्डनिकुन्दी गौशाला में 26 को होगा केवलमुनि का पुण्य स्मृति दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघीय सलाहकार गुरुदेव सुमतिप्रकाशजी के शिष्य डॉ. समकितमुनिजी का शुक्रवार को प्रातः युवाओं की भारी संख्या व उत्साह के बीच मंगल विहार हुआ। गुरुदेव अपनी धवल धर्मसेना के साथ विहार करते हुए राममूर्ति नगर जैन स्थानक पहुंचे। स्थानक पहुंचने पर एक सभा को संबोधित करते हुए गुरुदेव ने मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य और 'व्यर्थ बनाम अर्थ' के अत्यंत गूढ़ दर्शन पर सारगर्भित प्रवचन दिया। गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को जीवन की सही दिशा तय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दुर्लभ मानव जन्म जिस परम लक्ष्य और सत्कार्य के लिए मिला है, हमें केवल वही कार्य करना चाहिए। व्यर्थ के कार्यों में उलझकर इस अनमोल जीवन को गंवाना सबसे बड़ी अज्ञानता है।

गुरुदेव ने आगाह करते हुए कहा, यदि तुम व्यर्थ के कार्यों को चुनोगे, तो तुम्हारी जिंदगी का मूल अर्थ ही समाप्त हो जाएगा। जो व्यक्ति अपने जीवन से इस 'व्यर्थ' को पूरी तरह हटा देता है, केवल वही जीवन के सच्चे 'अर्थ' को जान पाता है। मोक्ष और मुक्ति की चाह रखने वाले, लेकिन सांसारिक मोह-माया में फंसे लोगों की मानसिकता पर प्रहार करते हुए गुरुदेव ने अत्यंत तीखे और सटीक शब्दों में कहा, संसार का प्रत्येक जीव मोक्ष चाहता है, लेकिन वह अपने जीवन से व्यर्थ की चीजों को त्यागना नहीं चाहता। याद रखना, जब तक तुम व्यर्थ को मुट्ठी में कसकर पकड़े रहोगे, तब तक मुक्ति कभी संभव नहीं हो सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंसान दिन-रात व्यर्थ की चिंताओं, व्यर्थ के पापों और निरर्थक उलझनों में इस कदर फंसा रहता है कि वह जीवन जीने का असली मकसद ही भूल जाता है। यदि जिंदगी को लाजवाब बनाना है, तो अब तक जो भी अनर्थ और व्यर्थ के कार्य करते आ रहे हो, उनसे तुरंत मुक्त होना पड़ेगा। श्रावकों को स्वयं के भीतर झांकने की सलाह देते हुए गुरुदेव ने कहा, स्वयं के अर्थ का पता लगाओ, अपने जीवन का गहराई से दर्शन करो और व्यर्थ के कार्यों से स्थायी छुट्टी ले लो, तभी तुम्हारा जीवन सार्थक हो पाएगा। उन्होंने कड़े शब्दों में समझाया कि राग, द्वेष, क्रोध और दूसरों की निंदा करना, यह सब पूरी तरह से व्यर्थ है। जिस भी व्यक्ति के जीवन में ये व्यर्थ के विकार पनपते हैं, उसका भविष्य निश्चित रूप से 'अनर्थ' की ओर ही जाता है, इसलिए, समय रहते इन विकारों का त्याग कर देना चाहिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। अंत में गुरुदेव ने राममूर्तिनगर संघ में उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल पाठ प्रदान किया। अध्यक्ष रिखबचंद मेहता ने संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया। 26 अप्रेल, रविवार को उपाध्याय केवलमुनिजी का पुण्य स्मृति दिवस संतों एवं साध्वी मंडल के सान्निध्य में केवल आराधना स्थल दोड्डनिकुन्दी गौरक्षणशाला में तप, जप और गुणानुवाद सभा के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा।

विप्र फाउंडेशन ने बेंगलूरु में पौधारोपण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विप्र फाउंडेशन जोन-18 बेंगलूरु कर्नाटक तथा बेंगलूरु चैप्टर ने इस बार के कार्यकाल में पर्यावरण प्रोत्साहन की दिशा में कुछ उल्लेखनीय कार्य करने का संकल्प किया है। इस दिशा में शुरुआती प्रयास के तहत शुक्रवार को डीआरडीओ क्षेत्र के शिव मंदिर परिसर में विप्र फाउंडेशन जोन-18 के अध्यक्ष हरिराम सारस्वत, बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय, चैप्टर के महासचिव हेमंत परवाल के साथ कमल पाराशर ने नीम, बरगद, पीपल, अमरूद, आंवला, गुलाब तथा अन्य फल-फूलों की विभिन्न प्रजातियों की पौध लगाई। इस कार्य में विशेष सहयोग भिंड मध्यप्रदेश में समाजोत्थान के विविध कार्यक्रमों में लगे, कर्मठ स्वयंसेवक, पर्यावरण कार्यकर्ता रामराज पुरोहित का रहा, जो वर्तमान में बेंगलूरु प्रवास पर हैं और जिन्होंने इस योजना में अपना श्रम स्वेच्छा से प्रदान करने की पेशकश कर विप्र फाउंडेशन को अनुग्रहीत किया। उन्होंने इन पौधों को अगले कुछ माह पानी देने एवं देखरेख करने का दायित्व अपने किसी परिचित को देते हुए उनसे आग्रह किया कि बारिश की ऋतु आने तक यह कार्य करने में फाउंडेशन को मदद करें ताकि पौधारोपण केवल औपचारिकता भर न रह जाए बल्कि उनमें से अधिक से अधिक पौधे आसानी से पनप सकें।

पौधारोपण कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण) श्रीकांत पाराशर भी उपस्थित थे। इसके अलावा बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष परिवार की युवतियों ने भी स्वेच्छा से उपस्थित रहकर श्रमदान किया।

पाराशर ने इस अवसर पर रामराज पुरोहित के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और युवापीढी की पर्यावरण संरक्षण में रुचि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**